राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 16 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-289 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

मनरेगा अब होगी 'विकसित भारत-जी राम जी' योजना

मोदी सरकार की फिर से बड़ी तैयारी, संसद में आएगा बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की ओर से मनरेगा स्कीम का नाम बदलने की तैयारी है। इसे आम लोगों के बीच जी राम जी योजना के नाम लोकप्रिय बनाया जा सकता है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इसे लेकर लोकसभा में विधेयक लाने की तैयारी है और इसके तहत 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। इस स्कीम का पूरा नाम होगा-विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)। इसे वीबी- जी राम जी योजना भी कहा जा रहा है। बिल के ड्राफ्ट के अनुसार इस स्कीम को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ा जाएगा। इसके तहत ग्रामीण स्तर पर रोजगार प्रदान किया जाएगा ताकि पलायन रुके और गांवों की व्यवस्था आत्मनिर्भर बन सके। बिल के अनुसार सरकारी कामों को इसी स्कीम के तहत कराया जाएगा। इसके माध्यम से जल संरक्षण, ग्रामीण ढांचागत सुविधाओं का विकास, आजीविका से जुड़े मिशनों पर काम होगा। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा कि खेती के पीक सीजन के दौरान गांवों में श्रमशक्ति की भी उपलब्धता बनी रहे। इन योजनाओं को पीएम-गति शक्ति से जोड़ा जा सकता है। इसके तहत होने वालों कामों की मॉनिटरिंग के लिए भी आधुनिक व्यवस्था का सहारा लिया जाएगा। इसके तहत जीपीएस और मोबाइल बेस्ड मॉनिटरिंग होगी। इसके अलावा इससे जुड़े कामों की प्लानिंग, ऑडिटिंग, फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का सहारा लिया जाएगा। इस बीच सरकार के प्रस्ताव का विरोध भी होने लगा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा। इस बात का पहले ही अंदेशा था कि महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने को लेकर विवाद हो सकता है।

- सीहॉक्स बढ़ाएंगे समंदर में इंडियन नेवी की ताकत

सेना को मिलने जा रहे 3 अपाचे हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना को जल्द ही अमेरिका से तीन अपाचे एएच-64 हेलीकॉप्टर मिलने वाले हैं। इसके अलावा नौसेना एएच-60आर सीहॉक बमरीन हंटिंग चॉपर के दूसरे बेड़े को कमीशन करेगी। भारतीय सेना अपनी ताकत में इजाफा करने के लिए एक से एक ताकतवर हेलीकॉप्टरों को अपने बेड़े में जगह दे रही है। बताया जा रहा है कि 2028 से भारतीय वायुसेना अपने बेड़े में 156 स्वदेशी प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टरों को भी शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। आने वाले 10 से 15 साल में भारतीय सेना में 1000 अलग-अलग तरह के हेलीकॉप्टरों को शामिल करने का प्लान है।

वहीं पुराने हो चले चीता और चेतक हेलीकॉप्टरों के बेड़े को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। आने वाले समय में भारतीय सेना की ताकत बढ़ाने वाले हेलीकॉप्टरों में 484 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर और 419 इंडियन मल्टी रोल हेलीकॉप्टर हो सकते हैं। यह प्रोजेक्ट हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के हाथ में है। फरवरी 2020 में भारत ने अमेरिकी कंपनी को 6 अपाजे हेलीकॉप्टरों के ऑर्डर दिए थे। यह डील 5691 करोड़ में हुई थी। जुलाई में तीन हेलीकॉप्टर डिलीवर हो गए थे। वहीं बोइंग की सप्लाई चेन में दिक्कत की वजह से बाकी तीन हेलीकॉप्टरों की डिलिवरी में देरी हो गई। 2019 से 2020 के दौरान इस तरह के 22 हेलीकॉप्टर सेना में शामिल किए थे।

बिहार बीजेपी के नए अध्यक्ष बने संजय सारावगी

- मिथिलांचल में पैठ मजबूत करने पर पार्टी का जोर

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में कई बदलाव देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने दिग्गज नेता और विधायक संजय सारावगी को तत्काल प्रभाव से बिहार बीजेपी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के स्थान पर सारावगी की ताजपोशी को पार्टी की सोची-समझी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। संजय सारावगी का संबंध राज्य के मिथिलांचल क्षेत्र (दरभंगा) से है, जिसे बीजेपी ने आने वाले समय में अपने मुख्य फोकस में रखा है। इस बदलाव के पीछे पार्टी का मकसद जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय और मजबूत करना है, ताकि राज्य में अपनी स्थिति को अभेद्य बनाया जा सके। ये नियुक्ति कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने का काम करेगी। संजय सारावगी की नियुक्ति का सबसे साफ राजनीतिक संदेश ये है कि बीजेपी अब मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी सांगठनिक और चुनावी पैठ को चरम पर ले जाना चाहती है।

अगले साल उड़ान भरेगा गगनयान, शुरू हुई तैयारी

2026 में इसरो के प्लान में कुल सात अभियान शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अगले साल मार्च तक सात प्रक्षेपण अभियानों की योजना बनाई है। इनमें उपग्रह और क्वांटम-की वितरण प्रौद्योगिकियों के लिए स्वदेशी रूप से निर्मित इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणालियों का प्रदर्शन आंकने वाला मिशन और गगनयान परियोजना से जुड़ा पहला मानवरहित अभियान शामिल है। इन सात प्रक्षेपणों में से पहला प्रक्षेपण अगले हफ्ते होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में संसद को बताया कि भारत का सबसे भारी रॉकेट 'एलवीएम3' इसरो की न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) और अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए एक वाणिज्यिक करार के तहत 'ब्लूबर्ड-6' संचार उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करेगा। 'ह्यूमन रेटेड' एलवीएम3 साल 2026 की शुरुआत में एक बार फिर उड़ान भरेगा, जिसके जरिए भारत के मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान 'गगनयान' का पहला मानवरहित यान 'व्योममित्र' नाम के एक रोबोट को लेकर अंतरिक्ष की कक्षा में दाखिल होगा। 'ह्यूमन रेटेड' एक प्रमाणन प्रणाली है, जो दर्शाती है कि कोई अंतरिक्ष यान या प्रक्षेपण वाहन मनुष्यों को अंतरिक्ष में सुरक्षित रूप से ले जाने में सक्षम है। 'गगनयान' के तहत 2027 में भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने से पहले इसरो ने अगले साल के अंत में एक और मानवरहित मिशन की योजना बनाई है। सिंह ने कहाकि गगनयान का पहला मानवरहित अभियान, मिशन की शुरुआत से लेकर अंत तक विभिन्न पहलुओं का आंकलन करेगा, जिसमें 'ह्यूमन रेटेड' प्रक्षेपण वाहन के वायुगतिकीय पैमाने का प्रदर्शन किया जाएगा।

नई तकनीक उपग्रहों को हल्का बनाएगी

उच्च थ्रस्ट वाली इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली की मदद से इसरो भविष्य में पूर्ण विद्युतीकृत उपग्रहों के प्रक्षेपण में सक्षम हो सकेगा। यह तकनीक उपग्रहों को हल्का बनाएगी और रासायनिक ईंधन पर निर्भरता घटाएगी। सिंह ने कहाकि टीडीएस-01 में इस्तेमाल प्रौद्योगिकियों और घटकों की आजमाइश में खरा उतरने के बाद इन्हें निकट भविष्य में नौवहन और संचार अभियानों में शामिल किया जाएगा। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि चार टन के एक संचार उपग्रह में दो टन से अधिक तरल ईंधन भरा होता है, जिसका इस्तेमाल उपग्रह को अंतरिक्ष में दिशा देने के लिए 'थ्रस्टर' को सक्रिय करने में किया जाता है, लेकिन विद्युत प्रणोदन के मामले में ईंधन की आवश्यकता घटकर महज 200 किलोग्राम रह जाती है। उन्होंने कहा कि ईंधन की आवश्यकता घटने की सूरत में वजन अधिक नहीं रहेगा।

दो साल की बच्ची से रेप और मर्डर के दोषी को होगी फांसी!

- जघन्य अपराध पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दया याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अहम निर्णय लेते हुए महाराष्ट्र में एक दो साल की बच्ची के अपहरण, रेप और मर्डर के दोषी व्यक्ति की दया याचिका को खारिज कर दिया है। 25 जुलाई, 2022 में पदभार संभालने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा खारिज की गई यह तीसरी दया याचिका है। राष्ट्रपति मुर्मू ने 6 नवंबर, 2025 को दो साल की बच्ची से रेप और मर्डर के दोषी रवि अशोक घुमारे की दया याचिका को ठुकरा दिया। यह जानकारी राष्ट्रपति भवन द्वारा दी गई दया याचिका की स्थिति के अनुसार सामने आई है। निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 3 अक्टूबर 2019 को सुप्रीम ने भी दोषी रवि अशोक घुमारे की मौत की सजा को बरकरार रखा था। कोर्ट ने मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था, कि दोषी ने अपनी वासना को शांत करने के लिए सभी प्राकृतिक, सामाजिक और कानूनी सजाओं को पार कर दिया था।

जबकि इसी मामले पर जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन-सदस्यीय पीठ ने 2-1 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि दोषी ने एक ऐसी जिंदगी को बेरहमी से खत्म कर दिया जो अभी खिलनी बाकी थी। कोर्ट ने कहा था कि दो साल की बच्ची के साथ अप्राकृतिक अपराध करने का उद्देश्य गंदी और विकृत मानसिकता को दर्शाता है, जो क्रूरता की एक भयानक कहानी पेश करता है।

बीजेपी मुख्यालय पहुंचे नितिन नबीन, शाह-नड्डा ने किया स्वागत

- राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के स्वागत में फूल बरसाए गए, जय श्रीराम के नारे लगे

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वो सोमवार को दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पहुंचे अमित शाह और जेपी नड्डा नितिन नबीन के स्वागत के लिए बीजेपी मुख्यालय में पहले से मौजूद थे। फूल माला से नितिन नबीन का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। इसके बाद

शाह और नड्डा ने उन्हें कुर्सी में बिठाया। दिल्ली बीजेपी दफ्तर में लंच को लेकर लिट्टी-चोखा, पूड़ी सब्जी, दही-चूड़ा और मखाने की खीर बनाई गई। नितिन नबीन सोमवार सुबह इंडिगो की फ्लाइट से 8.25 बजे की फ्लाइट से दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उनकी फ्लाइट 4 घंटे लेट हो गई है। वो दोपहर 1 बजे दिल्ली पहुंचे। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद नितिन नबीन ने सोमवार को पटना के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद वो अपने पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। दिल्ली आने से पहले नितिन नबीन ने सोमवार को कहा कि यह नया दायित्व पार्टी का आशीर्वाद है और उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने दिवंगत पिता एवं भाजपा के पूर्व विधायक को नमन किया।

देवता को आराम तक नहीं करने दे रहे लोग: सीजेआई

बांके बिहारी के दर्शन की टाइमिंग बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, मैनेजमेंट कमेटी को नोटिस

मथुरा (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पैसों के बदले संपन्न श्रद्धालुओं को विशेष दर्शन कराने की परंपरा की आलोचना की है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसी व्यवस्था से देवता के निर्धारित विश्राम समय में बाधा पहुंचती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ उत्तर प्रदेश के वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर से जुड़े एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में मंदिर के दर्शन समय में हालिया बदलावों और देहरी पूजा सहित कुछ धार्मिक परंपराओं को निलंबित किए जाने को चुनौती दी गई है। अदालत ने यूपी सरकार, जिला प्रशासन, मंदिर की प्रबंधन समिति और मंदिर की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति को नोटिस जारी किया है। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी के पहले सप्ताह में तय की है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि मंदिर के बंद रहने के समय अपनाई जा रही ये प्रथाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा, दोपहर में जब देवता के विश्राम के लिए मंदिर बंद कर दिया जाता है उस समय भी देवता को एक मिनट के लिए भी आराम नहीं करने दिया जाता।

नहीं रहे राम मंदिर आंदोलन से जुड़े डॉ. रामविलास वेदांती

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर आंदोलन के संत और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने मध्यप्रदेश के रीवा में दोपहर 12.20 बजे अंतिम सांस ली। वे 67 साल के थे। वेदांती की रीवा में रामकथा चल रही थी। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। दो दिन से उनका इलाज रीवा के एक हॉस्पिटल में चल रहा था। सोमवार सुबह तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें एयरलिफ्ट करके भोपाल एम्स ले जाने की तैयारी थी। एयर एम्बुलेंस पहुंच भी गई, लेकिन कोहरे की वजह से लैंड नहीं कर सकी। डॉ. रामविलास दास वेदांती के उत्तराधिकारी महंत राघवेश दास वेदांती ने बताया- महाराजजी का पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जा रहा। महाराज जी की अंतिम यात्रा अयोध्या के हिंदू धाम से मंगलवार सुबह निकलेगी और राम मंदिर तक जाएगी। सरयू तट पर सुबह 10 बजे उन्हें जल समाधि दी जाए। अंतिम दर्शन के लिए देशभर से संत आएंगे। डॉ. वेदांती का जन्म रीवा के गुढ़वा गांव में 7 अक्टूबर 1958 को हुआ था।

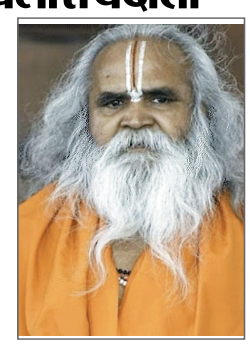

'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' नारे को लेकर संसद में बवाल

- राज्यसभा में जेपी नड्डा बोले-राहुल-सोनिया माफी मांगे
- प्रियंका बोलीं- रैली में किसने क्या कहा, हमें नहीं मालूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वां दिन, सोमवार को दोनों सदनों में भाजपा सांसदों ने कांग्रेस की रैली में पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- पीएम के खिलाफ ऐसी बातें करना, उनकी मौत की कामना करना शर्मनाक है। नड्डा ने कहा- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है कि 140 करोड़ भारतीयों और विश्व के सबसे प्रसिद्ध नेता को इस तरह के नारों का सामना करना पड़ रहा है। पीएम के खिलाफ नारेबाजी और माफी की मांग लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। दोनों सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई थी, लेकिन शोर-शराबे के कारण 10 मिनट भी चर्चा नहीं हो पाई और कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही 12 बजे फिर शुरू हुई। हालांकि, लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे शुरू होते ही फिर हंगामा होने लगा, जिसके चलते कार्यवाही 2 बजे तक फिर से स्थगित कर दी गई। भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पलटवार किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- हमें नहीं मालूम कि ये सब किसने कहा।

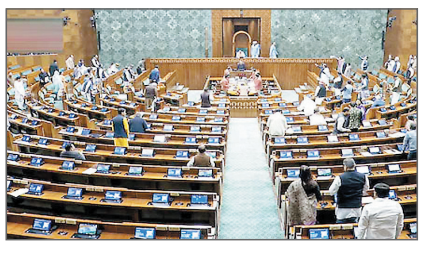

भाजपा सांसद बोले-राहुल औरंगजेब की तरह परिवार की छठी पीढ़ी

राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस का भविष्य शायद वैसा ही होने वाला है जैसा द लास्ट मुगल किताब में मुगल साम्राज्य के बारे में लिखा गया है। मुगल साम्राज्य में छह लोगों ने शासन किया - बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब। छठी पीढ़ी के शासन के बाद मुगल साम्राज्य खत्म हो गया। इसी तरह कांग्रेस पर भी नेहरू परिवार के छह लोगों ने शासन किया है- मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी। राहुल गांधी छठे हैं जो अभी सत्ता का आनंद ले रहे हैं।

भाजपा ने मंत्री पीयूष गोयल को तमिलनाडु का चुनाव प्रभारी बनाया

- बैजयंत पांडा को असम की जिम्मेदारी, दोनों राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने सोमवार को तमिलनाडु और असम विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए। कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल को तमिलनाडु के लिए चुनाव प्रभारी नियुक्त किया। वहीं, भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को असम विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। तमिलनाडु के लिए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय सहकारिता एवं उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल को चुनाव सह-प्रभारी बनाया गया है। राज्य में फिलहाल द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और कांग्रेस की सरकार है। वहीं असम में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील कुमार शर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री दर्शनाबेन जारदोश को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। यहां भाजपा सत्ता में है और हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। तमिलनाडु में कांग्रेस और सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) एक साथ विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महान बनने के भ्रम में ओछी अमेरिकी हरकतें

अभी जो खतरा भारतीय और बहुत से अन्य देशों के नागरिक एच वन वीजा को लेकर झेल रहे हैं, हो सकता है कि कल अमेरिका में कानून ही बदल दिया जाए। जो लोग वहां के नागरिक हैं उनसे भी वापस...

क्षमा शर्मा

अभी जो खतरा भारतीय और बहुत से अन्य देशों के नागरिक एच वन वीजा को लेकर झेल रहे हैं, हो सकता है कि कल अमेरिका में कानून ही बदल दिया जाए। जो लोग वहां के नागरिक हैं उनसे भी वापस जाने को कहा जाए। ट्रंप ने आते ही उस कानून को बदला था, जिसमें अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चे को वहां की नागरिकता मिल जाती थी। जब से ट्रंप अमेरिका में सत्ता में दोबारा आए हैं, वे हर दिन कोई न कोई ऐसी घोषणा करते रहते हैं, जिससे दुनिया में हड़कम्प मच जाता है। उनका कहना है कि वह अमेरिका को दोबारा महान बनाना चाहते हैं, इसलिए हर काम वह करेंगे, जिससे अमेरिका के लोगों को फायदा हो। अपने संसाधनों का फायदा वे उठा सकें। इसलिए वे तरह-तरह की घोषणाएं कर रहे हैं। उनका लेबर डिपार्टमेंट एक्स पर लिख रहा है कि अमेरिका में नौकरियां अमेरिकी लोगों के लिए ही होनी चाहिए। यों इसमें कुछ गलत भी नहीं है क्योंकि हर देश का नेता चाहता है कि उसके लोगों में बेरोजगारी घटे।

लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका ने जो तरक्की की है, धरती से लेकर अंतरिक्ष तक जो परचम लहराया है, इसमें बाहरी लोगों का बहुत बड़ा योगदान है। इनमें भारतीय सबसे अधिक हैं। थोड़े दिन पहले बिल गेट्स ने कहा था कि यदि हम भारतीय इंजीनियर्स को रोकेंगे, तो वे अपना गूगल बना लेंगे। अन्य बड़े कार्पोरेट्स भी ऐसा ही कह रहे हैं। पिछले दिनों एक पूर्व गुप्तचर अधिकारी ने कहा कि भारतीय लोगों के साथ अमेरिका में बुरा व्यवहार किया जा रहा है, इसके लिए माफी मांगी जानी चाहिए। जिस सिलिकॉन वैली की दुहाई दी जाती है, उसे यहां तक पहुंचाने में हमारे देश के लोगों और प्रतिभाओं का भारी हाथ है।

अमेरिका ने दुनियाभर में एक ताकतवर देश की छवि बनाई है। डालर के मुकाबले दुनियाभर की अधिकांश मुद्राएं कमजोर मानी जाती हैं। युवा समझते हैं कि वे अपने सपनों को अमेरिका जाकर ही पूरा कर सकते हैं। कुछ साल पहले एक खबर आई थी कि पूरे विश्व से दस करोड़ लोग अमेरिका जाना चाहते हैं। यह अफसोस की बात है कि युवा सिर्फ अमेरिका जाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यही है।

लेकिन उन बातों को क्या कहिए जो हर रोज अमेरिका में हो रही हैं। जिन्हें इन्हीं युवाओं को झेलना है। पिछले दिनों ही दो खबरें आईं कि अब अमेरिका ने एच वन और एच फोर वीजा के तमाम आवेदनों को रोक दिया है। इसके अलावा बहुत से देशों के लोगों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उनका कहना है कि आवेदनकर्ताओं के पहले वे सोशल मीडिया अकाउंट्स चैक करेंगे, जिससे कि पता चल सके कि कोई अमेरिका विरोधी तो यहां नहीं आना चाहता। एच वन वीजा को वर्क वीजा कहा जाता है। इसी के आधार पर आप वहां काम कर सकते हैं। इसे पाना युवाओं की सबसे बड़ी इच्छा होती है। इसके अलावा एच फोर वीजा पति या पत्नी के लिए होता है। इसके होने पर आप वहां काम नहीं कर सकते। इसे मौलिक अधिकार की तरह अब तक देखा जाता रहा है, लेकिन जैसे अब इस सोच के दिन लद गए हैं। यही नहीं, उन्होंने बारह देश के नागरिकों पर अमेरिका में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये देश हैं— अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो, गुएना, एरिट्रिया, हेती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन। इससे पहले भी बहुत से देशों पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि जिस भारत से मैत्री की कसमें ट्रंप लगातार खाते रहे हैं, उनके निशाने पर सबसे अधिक भारतीय ही हैं। ट्रंप को लड़ना आतंकवाद से था, लेकिन वे भारतीयों से लड़ रहे हैं। उनका मानना है कि बड़ी संख्या में यहां के लोगों ने अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन ली हैं। जबकि देखा जाए, तो वहां भारतीय कठिन परिस्थिति में काम करते हैं। उन्हें वेतन भी कम मिलता है। उन्हें छिपे हुए नस्लवाद का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन अब यह नस्लवाद छिपा हुआ नहीं रहा। खुलेआम व्हाइट सुप्रीमेसी की बात की जा रही है। हालांकि, ट्रंप की जीत में ग्रामीण अमेरिका के गोरों के साथ-साथ, वहां के उन नागरिकों का भी हाथ रहा है, जिनकी जड़ें भारत में हैं। भारतीयों के बारे में वहां मशहूर रहा है कि ये लोग शांतिप्रिय होते हैं। अपने काम से काम रखते हैं। अपने काम को अच्छी तरह से करना जानते हैं। जबकि अमेरिका के लोगों के बारे में कहा जाता है कि वे न तो पढ़ना-लिखना चाहते हैं, न ही किसी विशेष योग्यता को प्राप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। इसी कारण वहां अन्य देश के लोग काम करने जाते हैं। और वहां के बहुराष्ट्रीय निगमों तथा अन्य कम्पनियों को ऊंचाई पर पहुंचाते हैं।

लेकिन एच वन पर रोक लगाकर रास्तों को रोका जा रहा है। फ्लोरिडा के गवर्नर ने कहा कि एच वन बी जैसी एब्यूज (गाली) को बंद होना चाहिए। बहुत से अन्य रिपब्लिकन्स भी ऐसा ही कह रहे हैं।

जब सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोग खुलेआम किसी देश के लोगों पर निशाना साधने लगें, तो सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि लोगों का क्या होता होगा। अमेरिका में दिवाली पर सरकारों की तरफ से भारतीयों को बधाई दी जाती रही है। लेकिन इस बार दिवाली के आसपास वहां के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनकी हिन्दू पत्नी उषा वेंस भी ईसाई विश्वासों को मानें और ईसाई धर्म अपना लें। उन्होंने दिवाली की बधाई भी किसी को नहीं दी।

वहां इन दिनों भारतीयों को लगातार तरह-तरह के कटाक्ष झेलने पड़ रहे हैं। लोग उन्हें रास्ते में रोककर पूछ रहे हैं कि तुम कौन हो, कहां से आए हो। उनसे मार-पीट कर रहे हैं। नारे लगाए जा रहे हैं कि अपने देश वापस जाओ। बल्कि कई साल पहले पोलैंड में एक भारतीय घूम रहा था। वहां उसे रोककर एक अमेरिकी ने कहा कि तुम यहां भी आ पहुंचे। कम्पनियों से कहा जा रहा है कि वे भारतीय लोगों को नौकरी न दें। अगर देंगी, तो सरकार की तरफ से जो सुविधाएं दी जाती हैं, नहीं दी जाएंगी। अमेरिका के वे विश्वविद्यालय जो विदेशी बच्चों की दी गई मोटी फीस से चलते हैं, वहां भारतीय छात्रों की संख्या घट रही है, क्योंकि कौन ऐसे देश में जाना चाहेगा , जहां जीवन की खैर नहीं। और तो और वहां स्कूलों में भी इस तरह का नस्लवाद पैर पसार रहा है। बच्चों को तरह-तरह से तंग किया जा रहा है।

अभी जो खतरा भारतीय और बहुत से अन्य देशों के नागरिक एच वन वीजा को लेकर झेल रहे हैं, हो सकता है कि कल अमेरिका में कानून ही बदल दिया जाए। जो लोग वहां के नागरिक हैं उनसे भी वापस जाने को कहा जाए। ट्रंप ने आते ही उस कानून को बदला था, जिसमें अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चे को वहां की नागरिकता मिल जाती थी। हालांकि, अदालत ने इसके खिलाफ फैसला दिया। अमेरिका में पचपन लाख के करीब भारतीय रहते हैं। यह एक बड़ी आबादी है। लेकिन कोई देश अगर तय ही कर ले, तो खदेड़ने में वक्त नहीं लगता।

इस प्रसंग में युगांडा के ईदी अमीन की याद आती है। सत्तर के दशक में उन्होंने भी लम्बे समय से वहां रहने वाले लोगों को खदेड़ा था। दरअसल, सरकारों के पास जब अपने लोगों को वास्तविकता में देने के लिए कुछ नहीं होता, तो वे एक कम्युनिटी के खिलाफ, दूसरी को भड़काती हैं। यही अमेरिका में हो रहा है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

प्रेम-विवाह पर राजी

बदलते वक्त की धारा में युवाओं में बढ़ते प्रेम विवाह के रुझान को देखते हुए अब तक कठोर रही खापों ने भी रुख बदला है। जैसे कह रहे हों कि यदि मां-बाप राजी तो क्या करेगा काजी। पिछले महीने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद के गांव सोरम में देशभर की खाप पंचायतें तीन दिन तक जुटीं। जिसमें हरियाणा, पंजाब, उ.प्र., उत्तराखंड, एमपी, छत्तीसगढ़, बिहार, राजस्थान आदि की विभिन्न जाति-धर्मों की 36 खाप बिरादरियों के प्रतिनिधि जुटे। रोचक यह है कि एक लाख से अधिक भागीदारों में आधे करीब 20-35 वर्ष के युवा थे। वजह यह भी थी कि खापों की सख्ती से बड़ी संख्या में युवाओं की शादी नहीं हो पा रही है। हालांकि, इस पंचायत में मौजूदा सामाजिक चुनौतियों मसलन इज्जत के नाम पर होने वाली हत्याएं, दहेज,भ्रूण-हत्या,मृत्यु-भोज जैसी कुरीतियों पर व्यापक विमर्श हुआ, लेकिन प्रेम विवाह का मुद्दा मुखरता से छाया रहा। महत्वपूर्ण बात यह रही कि सर्वखाप ने तय किया कि यदि माता-पिता की सहमति से प्रेम विवाह होता है तो खाप हस्तक्षेप नहीं करेगी। सर्वखाप पंचायत में देश की सबसे बड़ी बालियान खाप के प्रधान नरेश टिकैत का कहना था कि यहां इतने ज्यादा लोग इसलिए जुटे हैं कि मुद्दे कोई राजनीतिक या किसानों के न होकर, प्रेम-विवाह, अंतरजातीय विवाह शुरू करने, दहेज न लेने, मृत्युभोज बंद करने जैसे ज्वलंत विषयों से जुड़े रहे। आम राय रही है कि जिस विवाह को लेकर मां-बाप की सहमति होगी, उसमें समाज, रिश्तेदार अथवा खाप हस्तक्षेप नहीं करेगी। दरअसल, खापों के रवैये में लचीलापन आने की एक बड़ी वजह यह रही है कि युवा तेजी से प्रेम विवाह की तरफ उन्मुख हैं। लेकिन जहां ऐसा करने में सख्ताई है वहां बड़ी संख्या में युवा कुंआरे बने हुए हैं। हरियाणा, उ.प्र व एनसीआर के कई गांवों में सैकड़ों की कुंआरों की फौज खड़ी हैं। अब यह सोच बन रही है कि प्रेम विवाहों से समाज की कई बुराइयां व मुश्किलें भी कम हो रही हैं। बदलते वक्त के साथ परंपरागत शादियों में अलगाव, तलाक व टकराव के मामले हालिया सालों में बढ़े हैं। कई नेताओं में इस बात को लेकर सहमति बनाने की कोशिश हुई कि जिन जातियों में घड़ा व हुक्का-पानी एक है, उनमें शादियों की शुरुआत होनी चाहिए। समान कद वाली जातियों में भी शादी की बात छेड़ी गई, लेकिन इस पर कोई सहमति नहीं बनी। साथ ही समान गोत्र की खेतिहर जातियों में भी विवाह पर विचार हुआ। कई लोग उदाहरण देते रहे कि जाटों के सबसे बड़े नेता रहे चौधरी चरण सिंह ने अपनी तीन बेटियों व बेटे की अंतरजातीय शादी की। बताया जा रहा है कि जातीय अस्मिता और किसान संस्कृति की ध्वजवाहक जाट बिरादरी में विवाह से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गंभीर मंथन चल रहा है। वहीं दूसरी ओर कई खापों के नेता इस बात को नकारते दिखे कि डीएनए मिक्सिंग से आने वाली पीढ़ियां कमजोर होती हैं। तर्क दिया गया कि शरीर विज्ञान से जुड़ा कोई शोध-अनुसंधान इस बात की पुष्टि नहीं करता। बहरहाल, खापों की सकारात्मक सोच युवाओं के लिये नई उम्मीद लेकर आई है।

विजय गाथा, भारत के शौर्य की अमर कहानी

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक / ईएमएस)

(16 दिसंबर- मुख्य विजय दिवस)

विजय दिवस भारत में हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 3 दिसंबर, 1971 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की शुरुआत हुई, जो 13 दिनों तक चला और 16 दिसंबर को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाज़ी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश के मुक्ति बहानी के सामने आत्मसमर्पण किया। भारतीय सेना की इसी कामयाबी को प्रतिवर्ष विजय दिवास के रूप में मनाया था। हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस या विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। एक तथ्य यह भी है कि इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था, इसलिए, बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। सन 1971 से पहले, बांग्लादेश पाकिस्तान का एक हिस्सा था, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था। तब पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को पाकिस्तानी सेना मारपीट, शोषण करती है , औरतों के साथ बलात्कार करती और वहां के लोगों की निर्मम हत्या करती थी, भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के द्वारा लोगों के उत्पीड़न का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का समर्थन किया। उस समय पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी जनरल अयूब खान के खिलाफ भारी असंतोष था। 3 दिसंबर को पाकिस्तान ने 11 भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला कर दिया था। जिसके जवाब में भारत ने भी मुहतोड ज़वाब दिया। भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का आदेश दे दिया। पाकिस्तान के साथ इस युद्ध में भारत के 1400 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। इस युद्ध को भारतीय सैनिकों ने पूरी बहादुरी के साथ लड़ा,इस युद्ध में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद यह युद्ध सिर्फ मात्र 13 दिनों में ही समाप्त हो गया था।

अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ दोनों महाशक्तियां शामिल हुई थीं। ये सब देखते हुए 14 दिसंबर को भारतीय सेना ने ढाका में पाकिस्तान के गवर्नर के घर पर हमला किया। उस समय पाकिस्तान के सभी बड़े अधिकारी मीटिंग करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस हमले से पकिस्तान हिल गया और जनरल नियाजी ने युद्ध विराम का प्रस्ताव भेज दिया। परिणामस्वरूप 16 दिसंबर, 1971 को दोपहर के तकरीबन 2:30 बजे सरेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और उस समय लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। इस प्रकार 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश का एक नए राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से आजाद हो गया। ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए इस युद्ध ने एक नए मुल्क बांग्लादेश को जन्म दिया था और पाकिस्तान के इतिहास में करारी हार के तौर पर 16 दिसंबर का दिन दर्ज हो गया। यूं तो यह जंग पाकिस्तान के पश्चिम और पूर्वी हिस्से के बीच चल रही थी, लेकिन पाक की ओर से इस दौरान भारत पर भी हवाई हमले किए गए। इसके जवाब में 3 दिसंबर, 1971 से भारत भी इस युद्ध में कूदा और पश्चिम से लेकर पूर्व तक में पाक सेना पर जोरदार हमला बोला। तीनों सेनाएं इस युद्ध में सक्रिय हुईं और अंत में 16 दिसंबर, 1971 को 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के साथ जंग को जीता। यही नहीं, पड़ोस में एक नए मुल्क बांग्लादेश का भी उदय हुआ। इस युद्ध की शुरुआत से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया था। आधी रात को देश के नाम संबोधन करते हुए इंदिरा गांधी ने कहा- मैं आप सभी से ऐसे वक्त में बात कर रही हूं, अभी कुछ घंटों पहले ही 5:30 बजे शाम को पाकिस्तान ने अचानक हमारे एयरफील्ड्स पर हमले किए

हैं। उनकी थल सेना सुलेमानखी, खेमकरण, पुंछ और अन्य सेक्टर्स में गोलीबारी कर रही है, हम पूरी दुनिया से इस मसले के शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहे हैं। हमारी यही मांग है कि उन लोगों के अधिकार दिए जाएं, जो सिर्फ लोकतंत्र में अपनी भागीदारी चाहते हैं। आज बांग्लादेश में चल रहा युद्ध भारत का युद्ध बन गया है। यह युद्ध मुझ पर और देश के लोगों पर थोपा गया है। हमारे पास देश को युद्ध में ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमारे बहादुर अफसर और सैनिक चौकियों पर हैं और देश की रक्षा को आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आपातकाल घोषित किया जाता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। हमें लंबे समय तक संघर्ष और त्याग के लिए तैयार रहना होगा। हम शांति पसंद लोग हैं, लेकिन हम जानते हैं कि जब तक आप अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जिंदगी की सुरक्षा नहीं कर पाते, तब तक शांति नहीं रह सकती। इसलिए आज हमें न सिर्फ अपनी अखंडता के लिए लड़ना है बल्कि अपने देश के मूलभूत आदर्शों को मजबूती देने के लिए लड़ना है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

चिंतन मनन

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है। जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विचार मंथन

अमीर और गरीब की खाई 100 वर्षों के इतिहास में उच्चतम स्तर पर

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तथ्यों के साथ उनकी असफलताओं को एक के बाद एक करके गिनाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण चुपचाप उनके आरोपों को सुनती रहीं। लोकसभा में दीपेंद्र हुड्डा ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था को लेकर निर्मला सीतारमण के दावों की पोल खोली है उस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य भी शांत बैठकर सुनते रहे। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा- वित्त मंत्री ने कई रिकॉर्ड एक साथ बना लिए हैं। इसी के साथ ही उन्होंने एक-एक करके रिकॉर्ड भी गिना दिए, उन्हीं रिकॉर्ड में एक रिकॉर्ड यह भी उन्होंने बताया, कि पिछले सालों मे अमीर और गरीब के बीच जो फासला बढा है, यह अंतर पिछले 100 सालों में कभी देखने को नहीं मिला था। जो अंतर वर्तमान में देखने को मिल रहा है। अमीर और अमीर हो रहे हैं। गरीब और गरीब होता चला जा रहा है। लोकसभा में अनुदान मांग पर चर्चा के दौरान सांसद दीपेंद्र हुड्डा का भाषण केवल राजनीतिक आरोप के रूप में नहीं थे। उन्होंने एनडीए सरकार की 11 वर्षों की आर्थिक नीतियों का एक विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश कर दिया। इसी रूप में कई आरोप वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मोदी सरकार पर लगाए। उन्होंने तथ्यों, आंकड़ों और सरकारी रिपोर्टों के हवाले से सवाल उठाया कि जिस 卐रिकॉर्ड ग्रोथ卐 का ढोल पीटा जा रहा है, वह जमीनी हकीकत से ठीक विपरीत है। हुड्डा ने सबसे पहले सरकार द्वारा पेश विकास दर की विश्वसनीयता पर तथ्यों के साथ सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आईएमएफ ने हाल ही में भारत के सरकारी आंकड़ों को 'सी ग्रेड' की श्रेणी में डाल दिया है, जिससे स्पष्ट है सरकार के विकास के आंकड़े वास्तविकता से परे हैं। ग्रोथ के आंकड़ों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संदेह जताया जा रहा है। उनका तर्क था कि सरकार राजस्व के ग्रोथ के आधार पर विकासदर दिखा रही है। जबकि वास्तविक तस्वीर एक्सपेंडिचर ग्रोथ से सामने आती है, जो वास्तविकता में कम है। हुड्डा ने कहा, एनडीए के कार्यकाल में रुपया ऐतिहासिक रूप से पिछले 75 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। राजकोषीय घाटा 78 वर्षों के रिकॉर्ड स्तर पर गया है। अमीर-गरीब की खाई 100 साल के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है। देश की 40 प्रतिशत संपत्ति केवल 1प्रतिशत अमीरों के हाथों में पहुंच गई है। जो सरकार के 卐सबका साथ, सबका विकास卐 की नीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हुड्डा ने कॉरपोरेट कर्ज माफी, सरकारी नीतियों में पूंजीपतियों का प्रभाव सरकार के दौहरे कानून और दोहरी नीति पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा पिछले 10 वर्षों में 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बैंकों के राइट-ऑफ किए गए हैं। जिसके लाभ का बड़ा हिस्सा कॉरपोरेट सेक्टर के हिस्से मे गया है। एविएशन, टेलीकॉम, पोर्ट्स, एयरपोर्ट और मीडिया जैसे सेक्टर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों के हाथों में सिमटते जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के विकल्प खत्म हो रहे हैं। प्रतिस्पर्धा के स्थान पर कंपनियों का एकाधिकार बढ़ता चला जा रहा है। रोजगार के मोर्चे पर सरकार की विफलता का उल्लेख करते हुए कहा मैन्युफैक्चरिंग में लगातार रोजगार घट रहा है। कृषि क्षेत्र में लोगों को लौटना पड़ रहा है। लौटती वर्कफोर्स विकास नहीं, बल्कि विफलता का संकेत है। केंद्र और राज्यों का कुल कर्ज जीडीपी के 82 प्रतिशत तक पहुंचना भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत है। हुड्डा यही नहीं रुके वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को खेलने का उन्होंने कोई अवसर नहीं छोड़ा। डिफेंस, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल जैसे अहम क्षेत्रों में बजट कटौती को लेकर उन्होंने सरकार को घेरा। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विकास के लिए गंभीर खतरा करार दिया। कुल मिलाकर, दीपेंद्र हुड्डा का भाषण एनडीए की सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को लेकर जो दावे किए जा रहे हैं, एक-एक करके उन सभी दावों की पोल खोल कर रख दी। नोटबंदी से लेकर अभी तक जो भी निर्णय सरकार ने लिए हैं उसमें देश की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा है। जिस तरह से कर्ज बढ़ता चला जा रहा है, उस पर उन्होंने गंभीर चिंता जताई। हुड्डा का कहना था कि देश की अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार द्वारा जो दावे किए जा रहे हैं, वह आंकड़ों में हेरा-फेरी करके एक प्रचार माध्यम बनकर रह गया है। अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए पहली बार कांग्रेस की ओर से जिस तरह से हुड्डा ने सिलसिलेबार मोदी सरकार और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को तथ्यों के साथ घेरा है, उससे स्पष्ट होता है कि निश्चित रूप से विपक्ष में रहते हुए सरकार को किस तरह से घेरा जाता है, यह कांग्रेस समझ चुकी है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह रही, जब हुड्डा अर्थ व्यवस्था को लेकर सरकार के दावों की एक-एक करके पोल खोल रहे थे, पिछले 75 वर्षों में अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी सरकार ने जो नए नए असफलता के रिकॉर्ड बनाए हैं, उसे बता रहे थे उस समय सत्ता पक्ष चुपचाप हुड्डा को सुन रहा था। निर्मला सीतारमण भी गौर से दीपेंद्र हुड्डा की बात सुन रही थीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय पर्यटक सिंगापुर में विलासिता की वस्तुओं पर सबसे अधिक खर्च करने वाले शामिल हुए

भारतीय पर्यटक सिंगापुर में विलासिता पर अधिक खर्च करने वालों में शामिल

- 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए

सिंगापुर ।

सिंगापुर पर्यटन बोर्ड (एसटीबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.40 फीसदी अधिक है। एक बिजनेस एसोसिएशन के मुताबिक भारतीय यात्री सिंगापुर के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में शामिल हैं। औसतन 6.3 दिन तक ठहरने वाले ये पर्यटक खुदरा, भोजन, मनोरंजन, दर्शनीय स्थलों और आवास पर अधिक खर्च करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और इंडोनेशिया के पर्यटक भी सिंगापुर में विलासिता पर अधिक खर्च कर रहे हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर विलासिता खर्च में गिरावट देखी जा रही है। एसटीबी के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से अक्टूबर 2025 तक भारतीय पर्यटकों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.6 फीसदी अधिक है। कुल मिलाकर, सिंगापुर में इस अवधि में 1425 लाख पर्यटक आए, जिनमें 2.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

भारतीय उपभोक्ता सबसे आशावादी, वैश्विक संघर्षों का कम असर

नई दिल्ली । भारतीय उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत आर्थिक वृद्धि से प्रभावित होकर पूरे वर्ष स्थिर रहा। बीसीजी की नवीनतम ग्लोबल कंज्यूमर रडार रिपोर्ट के अनुसार 61 प्रतिशत भारतीय लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखते हैं। यह उन्हें दुनिया के सबसे आशावादी बाजारों में शामिल करता है। रिपोर्ट में बताया गया कि केवल 17 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता मानते हैं कि हाल के वैश्विक राजनीतिक संघर्ष या घटनाएं देश की वृद्धि को धीमा करेंगी। यह चीन के बाद सबसे कम आंकड़ा है। इसके विपरीत, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में 60 प्रतिशत से अधिक लोग आर्थिक मंदी की आशंका जताते हैं। रिपोर्ट में विकसित देशों (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, अमेरिका, जापान) और विकासशील देशों (भारत, चीन, मैक्सिको, ब्राजील) को शामिल किया गया। भारत में 34 प्रतिशत उपभोक्ता बेरोजगारी या मंदी की चिंता करते हैं। कुल मिलाकर, भारत चीन के बाद दूसरा सबसे आशावादी बाजार है और वैश्विक औसत -12 प्रतिशत से काफी ऊपर बना हुआ है।

वेकफिट इनोवेशंस के आईपीओ की सुस्त लिस्टिंग

- 195 रुपए पर सपाट लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली । होम और स्लीप सॉल्यूशन प्रोवाइडर वेकफिट इनोवेशंस का आईपीओ सोमवार 15 दिसंबर को सूचीबद्ध हुआ। इस इश्यू के जरिए कंपनी ने कुल 1,288.89 करोड़ जुटाए, जिसमें 1.93 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू 377.18 करोड़ रुपए और 4.68 करोड़ शेयरों के ओएफएस से 911.71 करोड़ रुपए शामिल थे। प्राइस बैंड 185-195 रुपए रखा गया था और लॉट साइज 76 शेयर थी। आईपीओ करीब 2.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 195 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जबकि बीएसई पर 194.10 रुपए पर खुले। यह प्रदर्शन अपेक्षाकृत सुस्त रहा। डेब्यू से पहले डी-स्ट्रीट पर अनलिस्टेड शेयर 199 रुपए के भाव पर कोट थे, जिससे जीएमपी 4 रुपए प्रति शेयर या लगभग 2.05 फीसदी था। लिस्टिंग ग्रे मार्केट अनुमानों से थोड़ी कम रही।

रुपए की कमजोरी और चिप संकट से टीवी महंगे होने की संभावना

रुपये के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की लागत बढ़ी

मुंबई । नए साल से टीवी की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। रुपये के कमजोर होने से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की लागत बढ़ गई है। रुपए ने हाल ही में पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार किया है। टीवी के प्रमुख कंपोनेंट जैसे ओपन सेल, सेमीकंडक्टर चिप और मदरबोर्ड बड़े पैमाने पर आयात होते हैं। इसलिए रुपये की कमजोरी सीधे टीवी की कीमतों पर असर डाल रही है। दुनियाभर में मेमोरी चिप की कीमतें तेज़ी से बढ़ रही हैं। एआई सर्वर्स की बढ़ती मांग के कारण ड्रम और फ्लैश मेमोरी की आपूर्ति टीवी और पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सीमित हो गई है। कंपनियां मुनाफे वाले एआई चिप्स पर फोकस कर रही हैं, जिससे सप्लाई और कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार एलईडी टीवी के दाम 3-4 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। वहीं सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार कुछ ब्रांड्स में 7-10 फीसदी तक की बढ़ोतरी संभव है। यदि टीवी की कीमत 50,000 रुपये है, तो यह बढ़ोतरी

1,500 से 5,000 रुपये तक हो सकती है। हाल ही में सरकार ने 32 इंच और उससे बड़े टीवी पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया था, जिससे कीमतों में औसतन 4,500 रुपये की राहत मिली। लेकिन बढ़ती लागत और सप्लाई संकट के कारण यह राहत उपभोक्ताओं तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगी।

भारतीय म्यूचुअल फंड ने 25 सालों में बनाया 80 लाख करोड़ का रिकॉर्ड

मुंबई । भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने नवंबर 2025 तक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। इंडस्ट्री का एयूएम बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि 2000 में यह केवल 1.03 लाख करोड़ रुपए था। यूटीआई का दबदबा उस समय 66 फीसदी था। 2020 से 2025 के बीच इंडस्ट्री ने लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की। फोलियो की संख्या मई 2021 में 10 करोड़ थी, जो नवंबर 2025 तक बढ़कर 25.86 करोड़ हो गई। निवेशक अब अधिकतर इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में निवेश कर रहे हैं। एसआईपी ने निवेश को नियमित आदत में बदल दिया है, जिससे बाजार में स्थिर पूंजी प्रवाह बना हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने निवेश प्रक्रिया आसान कर दी है, जिससे छोटे शहरों और गांवों के निवेशक भी शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा भारतीय शेयर बाजार का लंबी अवधि में मजबूत प्रदर्शन निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ा रहा है।

थोक मूल्य मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से नीचे, खाद्य और ईंधन सस्ते

- नवंबर 2025 में डब्ल्यूपीआई -0.32 फीसदी दर्ज, लगातार दूसरा महीना नकारात्मक रहा

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) -0.32 फीसदी दर्ज की गई। यह लगातार दूसरा महीना है जब थोक मुद्रास्फीति शून्य से नीचे रही। अक्टूबर में यह -1.21 फीसदी थी। खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट मुख्य कारण रही। नवंबर में खाद्य वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति -2.60 फीसदी रही, जबकि अक्टूबर में यह -5.04 फीसदी थी। प्याज के दाम सालाना आधार पर 64.70 फीसदी, आलू 36 फीसदी, सब्जियों 20.23 फीसदी और दालों 15.21 फीसदी घटे। गेहूं, धान और फलों की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। ईंधन की कीमतों में भी कमी रही। कच्चे तेल के दाम 13.92 फीसदी, रसोई गैस 12.78 फीसदी, पेट्रोल 1.75 फीसदी और डीजल 1.64 फीसदी सस्ते हुए। अन्य वस्तुओं की कीमतें या तो स्थिर रहीं या वृद्धि दर धीमी रही। खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) दिसंबर में 0.71 फीसदी रही, जो संकेत देती है कि आम जनता के लिए महंगाई भी नियंत्रण में है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की मुद्रास्फीति का अनुमान 2 फीसदी कर दिया है। तीसरी तिमाही में 0.6 फीसदी और चौथी तिमाही में 2.9 रहने की संभावना है। अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति क्रमशः 3.9 और 4 फीसदी रहने की उम्मीद है। खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों कम रही। यह स्थिति उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी है, लेकिन विशेषज्ञ अगले वित्त वर्ष में वैश्विक कीमतों और मांग के आधार पर मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना भी जताते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 54, निफ्टी 19 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 54.30 अंक टूटकर 85,213.36 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 19.65 अंक नीचे आकर 26,027.30 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं 14 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 22 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं बची हुई 27 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं रहा।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 1.37 फीसदी की बढ़त लेकर बंद हुए और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.92 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं ट्रेंट के शेयर 1.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.68 फीसदी, इंफोसिस 0.57 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.53 फीसदी, टाटा स्टील 0.52 फीसदी, टीसीएस 0.42 फीसदी, एलएंडटी 0.40 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.37 फीसदी, आईटीसी 0.37फीसदी। वहीं दूसरी ओर, सोमवार को मारुति सुजुकी के शेयर 0.89 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.81 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.75 फीसदी, टाइटन 0.64 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.56 फीसदी, भारती एयरटेल 0.54 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.53 फीसदी, पावरग्रिड 0.53फीसदी, एनटीपीसी 0.37 फीसदी।

इससे पहले आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कमजोरी के साथ 84,891 अंक पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बढ़ता गया, जिससे इंडेक्स और नीचे फिसल गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 363.30 अंक की गिरावट के साथ 84,904.36 अंक पर कारोबार करता नजर आया। बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में दबाव का असर सेंसेक्स पर साफ दिखाई दिया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 25,930 अंक पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें और कमजोरी आई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी सीमित दबाव देखने को मिला।

एशियाई बाजारों में सोमवार को गिरावट देखने को मिली। वॉल स्ट्रीट में पिछले सप्ताह के अंत में आई कमजोरी का असर इन बाजारों पर पड़ा। निवेशकों ने एआई आधारित तेजी से कुछ समय के लिए दूरी बना ली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.16 फीसदी टूट गया, जापान का निक्केई 225 में 1.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.66 फीसदी फिसल गया।

अमेरिका में भी कमजोरी- अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। निवेशकों ने टेक्नोलॉजी शेयरों से पैसा निकालकर अन्य सेक्टरों में लगाया। इससे एसएंडपी 500 और नैस्डैक में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई।

कवच 4.0 रेल सुरक्षा प्रणाली विकसित करने नोवा और टाटा एलेक्सी ने की साझेदारी

– कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

नोवा कंट्रोल टेक्नॉलजिक्स, ईटुई ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की डीपटेक क्षेत्र की सहायक कंपनी, और टाटा एलेक्सी ने मिलकर भारत की स्वदेशी स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 की अगली पीढ़ी विकसित करने का निर्णय लिया है। इस साझेदारी के तहत नोवा प्राथमिक ओईएम के रूप में विनिर्माण, परीक्षण और एकीकरण की जिम्मेदारी संभालेगी, जबकि टाटा एलेक्सी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, सुरक्षा प्रमाणन और साइबर सुरक्षा इंजीनियरिंग का नेतृत्व करेगी। नोवा के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख है। प्रारंभिक रूप से भारतीय रेलवे के लगभग 40,000 किलोमीटर नेटवर्क में इसे लागू किया जाएगा। प्रत्येक रेल इंजन के लिए शुरुआती निवेश 70-80 लाख रुपए होगा। इसके चलते चरण-1 के लिए कुल निवेश लगभग 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। परियोजना का कार्यान्वयन अगले 6-7 वर्षों में पूरा होने की संभावना है। कंपनियां दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे निर्यात बाजार को भी लक्षित कर रही हैं, जिससे भविष्य में कारोबार में वृद्धि की संभावना है। टाटा एलेक्सी के प्रमुख ने बताया कि कवच 4.0 का डिज़ाइन इस तरह से किया जा रहा है कि भविष्य में कवच 5.0, जिसमें साइबर सुरक्षा और मूविंग ब्लॉक जैसी सुविधाएँ होंगी, आसानी से जोड़ी जा सके। 2013-14 में भारतीय रेलवे द्वारा सुरक्षा पर खर्च 39,463 करोड़ था, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। इस परियोजना से भारतीय रेलवे के सुरक्षा नेटवर्क को आधुनिक और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.75 पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया कमजोर हो गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सुबह 90.53 पर खुला और गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार निवेशक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े स्पष्ट संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे बाजार में सतर्कता बनी हुई है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को रुपया 17 पैसे टूटकर 90.49 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.35 पर रहा।

सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होते ही मधुमेह और मोटापे की दवाएं होंगी सस्ती

दवाओं में 80 फीसदी तक कटौती की संभावना

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 में टाइप-2 मधुमेह की प्रमुख दवा सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद भारत में इसकी जेनेरिक दवाओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे दवा की कीमत में लगभग 80 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है। इस बदलाव से मधुमेह और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज अधिक सस्ता और सुलभ हो जाएगा। जीएलपी-1 दवाओं का बाजार तेज़ी से बढ़ रहा है। फार्माट्रैक के एक अे धिकारी के अनुसार शुरुआती उच्च कीमतों के कारण यह बाजार 1,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था। लेकिन पेटेंट खत्म होने के बाद कीमतें घटेंगी, जिससे कंपनियों की आमदनी पर असर और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, मैनकाइंड फार्मा और सन फार्मा जैसी कंपनियां पहले से ही सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण के लिए तैयारी कर रही हैं। देश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से मरीजों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन जीएलपी-1 दवाओं के साइड इफेक्ट जैसे मतली, उल्टी, दस्त, कब्ज और कुछ मामलों में बालों का झड़ना भी बढ़ सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अधिक मरीजों को दवा देने से उपचार बीच में

छोड़ने की दर यानी ड्रॉपआउट बढ़ सकती है। शुरुआती मांग में उछाल कुछ महीनों में स्थिर हो सकता है। हालांकि, दवा की सस्ती कीमत से उपभोक्ता आधार बढ़ेगा लेकिन कंपनियों को नई प्रतिस्पर्धा और बदलते खपत पैटर्न का सामना करना पड़ेगा।

मारुति का भारत में ईवी योजना के लिए स्थानीयकरण पर जोर

– कंपनी अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला ईवी ई-वीटारा, पेश करेगी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) अगले कुछ वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बैटरी उत्पादन और अन्य महत्वपूर्ण घटकों के स्थानीयकरण की योजना बना रही है। कंपनी फिलहाल बैटरियों का आयात करती है, लेकिन कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इसे चरणबद्ध तरीके से देश में तैयार करने की संभावना है। इस कदम से कंपनी भारत में ईवी निर्माण क्षमता बढ़ाने और स्थानीय उत्पादन को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है। एमएसआई अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला ईवी, ई-वीटारा पेश करने वाली है। इसके साथ ही ई-वीटारा का निर्यात भी शुरू हो चुका है, और अब तक 10,000 इकाइयाँ 26 देशों में भेजी जा चुकी हैं। कंपनी का लक्ष्य ईवी पोर्टफोलियो में आने वाले वर्षों में और भी मॉडल शामिल करना है। अे धिकारी ने कहा कि भारत में ईवी की लोकप्रियता तभी बढ़ेगी जब ग्राहक इसे मुख्य वाहन के रूप में अपनाने के लिए भरोसा महसूस करें। वर्तमान में अधिकांश खरीदार ईवी का उपयोग अतिरिक्त वाहन के रूप में कर रहे हैं। ड्राइविंग रेंज और शुरुआती उत्पादों के अनुभवों ने ग्राहकों में नकारात्मक धारणाएँ उत्पन्न की हैं। एमएसआई का लक्ष्य 2029-30 तक अपने उत्पाद खंड में 5 ईवी मॉडल शामिल करना है। इसके अलावा कंपनी डीलर पार्टनर और चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटर के साथ साझेदारी में लगभग 1 लाख चार्जिंग स्टेशन 2030 तक स्थापित करना चाहती है। इस पहल से कंपनी ईवी क्षेत्र में नेतृत्व स्थिति हासिल करने और देश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

सर्दियों के उड़ान शेड्यूल में इंडिगो आगे, एयरइंडिया समूह पीछे

- अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या में बड़ा बदलाव, बाजार हिस्सेदारी में भी उलटफेर

नई दिल्ली । इस सर्दियों के उड़ान शेड्यूल (अक्टूबर से मार्च) में भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या के मामले में एयरइंडिया समूह को पीछे छोड़ दिया है। एक वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के आंकड़ों के अनुसार इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेज़ी से विस्तार किया है, जबकि एयरइंडिया समूह को घरेलू और संचालन संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के मुताबिक, इस सर्दियों में इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या 14.5 प्रतिशत बढ़कर 44,035 हो गई है। पिछली सर्दियों में यह आंकड़ा 38,481 था। साथ ही इंडिगो ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीटों की संख्या 74 लाख से बढ़ाकर 86 लाख कर दी है। इसके चलते भारत से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 22.1 प्रतिशत हो गई है। एयरइंडिया और एयर इंडियन एक्सप्रेस को मिलाकर बने एयरइंडिया समूह ने इस सर्दियों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 9 प्रतिशत से अधिक की कटौती की है। पिछले साल जहां समूह की 45,958 उड़ानें थीं, वहीं इस बार यह संख्या घटकर 41,626 रह गई है। सीटों के मामले में भी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सर्दियों में 92 लाख सीटों के मुकाबले इस बार यह संख्या घटकर 83 लाख रह गई है, जिससे समूह की बाजार हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, पर्याप्त पायलटों के बिना तेजी से विस्तार और नए फ्लाइट ड्यूटी नियम एयरइंडिया की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय की नीति के तहत विदेशी एयरलाइनों को व्यस्त भारतीय रूट्स पर सीमित अनुमति मिलने से घरेलू एयरलाइनों को फायदा हुआ है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि इससे प्रतिस्पर्धा और यात्रियों के विकल्प सीमित हो सकते हैं। इस सर्दियों में कई विदेशी एयरलाइनों ने अपनी उड़ानें घटाई हैं। वहीं, भारतीय एयरलाइन अकासा एयर ने सबसे तेज़ बढ़त दर्ज की है, हालांकि बड़े विमानों की कमी के कारण वह लंबी दूरी के रूट्स पर उड़ानें नहीं चला पा रही है।

कोरोना रेमेडीज़ आईपीओ की जोरदार लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

गुजरात स्थित फार्मास्यूटिकल कंपनी कोरोना रेमेडीज़ के शेयर सोमवार को बाजार में गिरावट के बावजूद मजबूती के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर शेयर 1,452 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ की अपर प्राइस 1,062 रुपये से 36 फीसदी अधिक है। वहीं एनएसई पर शेयर 1,470 रुपये पर लिस्ट हुए, जो आईपीओ प्राइस से 38 फीसदी ज्यादा है। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयर लगभग 2 फीसदी नीचे कारोबार कर रहे थे। लिस्टिंग से पहले कंपनी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में 1,404.5 रुपये पर कोट किए जा रहे थे।

इससे अनुमान लगाया जा रहा था कि आईपीओ प्राइस के मुकाबले ग्रे मार्केट प्रीमियम लगभग 32 फीसदी रहेगा। लिस्टिंग के परिणाम ने इस अनुमान को पार करते हुए निवेशकों को उत्साहित किया। कोरोना रेमेडीज़ के आईपीओ के लिए निवेशकों का उत्साह

अत्यधिक देखा गया। इश्यू अंतिम दिन कुल 144.54 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी ने 6.2 लाख शेयरों के ऑफर फॉर सेल के जरिए 655.3 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने रचा इतिहास, धर्मशाला टी20आई जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20आई मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20ढ्ढ इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा

इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत ङ्म20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत

भारत - 34 मैचों में 20 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 28 मैचों में 19 जीत
वेस्टइंडीज - 26 मैचों में 14 जीत
पाकिस्तान - 27 मैचों में 14 जीत
इंग्लैंड - 28 मैचों में 13 जीत

लक्ष्य का आसानी से पीछा

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को 118 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए 15.5 ओवर में ही सात विकेट रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया, जिससे मैच में भारत का दबदबा साफ नजर आया।

ऑलराउंड प्रदर्शन से सीरीज में बढ़त

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के संयुक्त प्रयास से दक्षिण अफ्रीका को सीम और उछाल मददगार परिस्थितियों में 117 रन पर समेट दिया गया। इसके बाद भारत ने 25 गेंद शेष रहते 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। सात ओवर के भीतर 30/4

पर सिमटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले में 18 गेंदों पर 35 रन बनाए। शुभमन गिल (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 25) को रन बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई, जबकि सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि अभिषेक की शुरुआती आक्रामक बल्लेबाजी के चलते लक्ष्य हमेशा भारत की पहुंच में रहा और अंत में शिवम दुबे (नाबाद 10) ने शानदार शॉट्स लगाकर मैच खत्म किया।

चौथे टी20 में शुभमन की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

-टीम में हो सकते हैं तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। गुरुवार को लखनऊ में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में तीन बदलाव कर सकती है। इसके तहत ही उपकप्तान शुभमन गिल की जगह पर पारी की शुरुआत के लिए सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अक्टूबर 2025 के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें जगह देने की मांग उठ रही है। वहीं शुभमन पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 रन बनाये थे जबकि दूसरे मैच में वह शून्य पर ही आउट को गये थे। तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में अंतिम ग्यारह में उन्हें जगह मिलना कठिन है।.

सैमसन के अलावा स्पिनर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इस मैच में शामिल किया जा सकता है। तीसरे टी20 में इन दोनो को ही आराम दिया गया था। अब देखना अक्षर और बुमराह के शामिल होने से किसे बाहर किया जाता है। तीसरे टी20 में इनकी जगह पर हर्षित राणा और कुलदीप यादव को मौका मिला था और दोनों ने दो-दो विकेट लेकर अपने को साबित किया था।

वहीं अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और हर्षित को बनाये रखता है तो अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को बाहर किया जा सकता है। हर्षित और कुलदीप की तरह अर्शदीप और वरुण ने भी तीसरे टी20 में दो-दो विकेट लिए थे। चौथे टी20 में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

खराब फार्म की बात से सूर्यकुमार ने इंकार किया, बोले जब जरुरत होगी रन आयेंगे

धर्मशाला । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर रन बनाने में असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी वह 12 रन ही बना पाये। वहीं जब उनसे फार्म में नहीं होने को लेकर पूछा गया तो सूर्यकुमार का जवाब सुनकर सभी हैरान हो गये। सूर्या ने लय में नहीं होने की बात को खारिज करते हुए कहा कि जब जरुरत होगी तो आ जाएंगे। कप्तान के तौर पर उनके इस बयान की आलोचना भी हो रही है। सभी प्रशंसकों का मानना है कि टीम जीत रही है, इसी लिए अधिक सवाल नहीं उठ रहे हैं पर कप्तान को आगामी विश्वकप को देखते हुए रन बनाने ही होंगे। विश्वकप से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी20 और उसके बाद नए साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने नेट में अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे।' सूर्यकुमार ने इस सीरीज के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं हालांकि रन नहीं बना पाया हूं।' उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की है।

बीसीसीआई ने जारी कर दिया फरमान !, रोहित-विराट को भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने होंगे दो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी , 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं सीनियर

खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे ट्रॉफी के 6 दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जाएगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।'

इस निर्देश से यह धारणा भी टूटेगी कि चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर सिर्फ कोहली और रोहित का उदाहरण देना चाहते हैं जिन्हें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह को धर्मशाला में तीसरे टी20 से पहले निजी कारणों से घर लौटना पड़ा। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उनके करीबी परिजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने कहा, 'सब कुछ ठीक रहा तो वह चौथे या पांचवें मैच के लिये लौट सकते हैं।'

जीएस दिल्ली एसेस ने पहली बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

अहमदाबाद । GS दिल्ली एसेस ने यहां टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के फाइनल में यश मुंबई ईगल्स पर 51-36 से शानदार जीत के साथ पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। बेल्जियम की खिलाड़ी सोफिया कोस्टौलास ने रविवार देर रात एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिया भाटिया को 18-7 से हराकर महिला एकल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। कोस्टौलास और जीवन नेदुनचेझियान की मिश्रित युगल जोड़ी ने दमदार रिटर्न और आत्मविश्वास से भरे नेट प्ले के साथ भाटिया और निकी पुनाचा की जोड़ी को 16-9 से हराकर दिल्ली एसेस की बढ़त को और मजबूत कर दिया । पुरुष एकल में मुंबई ईगल्स के विश्व नंबर 57 दामिर जुम्हूर ने बिली हैरिस को 16-9 से हराया कुछ हद तक टीम की वापसी कराई लेकिन जीएस दिल्ली एसेस के पास अब भी 11 अंकों की बढ़त थी। पुरुष युगल हैरिस और नेदुनचेझियान ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए निकी पुनाचा और जुम्हूर को 8-4 से हराकर दिल्ली की जीत पर मुहर लगा दी।

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड : 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला । भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पंड्या ने इस मैच में एक विकेट लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। अब इस प्रारुप में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले वह पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। उनके अलावा केवल स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने ही ये कारनामा किया है। पंड्या इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले अर्शदीप सिंह ने 109 और जसप्रीत बुमराह ने इस प्रारुप में 101 विकेट लिए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की। अब वरुण सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव ने 30 मुकाबलों में ये रिकार्ड बनाया है।

भारत ने पहली बार जीता स्क्वाश विश्व कप का खिताब, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज जोशना चिनप्पा ने 37वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली का यी पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत से फाइनल में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह (विश्व रैंकिंग में 29) ने 42वें स्थान पर काबिज एलेक्स लाउ को 3-0 से जबकि 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज टोमाटो हो को इसी अंतर से हराकर भारत के लिए खिताब पक्का कर दिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचने और अपना पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की लगन और दृढ़ संकल्प की तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत देश को प्रेरित करेगी और युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने X पर कहा, 'स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।'

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग (CIABOC) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (CPC) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था। वह उस समय इसके अध्यक्ष थे। सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था। CIABOC ने कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन को इस मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया जा सका क्योंकि वे विदेश में हैं। अर्जुन पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे जब दम्मिका सीपीसी के प्रमुख थे। दम्मिका ने 1989-90 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो टेस्ट मैच खेले थे। बाद में वह देश में इस खेल के शासी निकाय श्रीलंका क्रिकेट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बने।

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण अब तक का सबसे बेहतर : ब्रेट ली

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि कप्तान पैट कमिंट की आगुवाई में वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण सबसे बेहतर है। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक समय जहां उनके साथ ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न और जेसन गिलेस्पी जैसे घातक तेज गेंदबाज थे। वहीं आज के समय में उससे भी बेहतर संयोजन कमिंस , मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लॉयन जैसे गेंदबाजों के पास है। साथ ही कहा कि ये अब तक तक सबसे बेहतर गेंदबाजी आक्रमण माना जा सकता है। इसने सभी पिछले आक्रमणों को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि अबमक कमिंस, स्टार्क, लायन और हेजलवुड ने कुल मिलाकर 389 टेस्ट मैचों में ही 1,586 विकेट निकाल लिय हैं। इन चार में से तीन गेंदबाजों ने 300 विकेट लिये हैं, जबकि हेजलवुड ने 295 विकेट लिए हैं और माना जा रहा है कि वापसी पर हेजलवुड भी 300 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे। कमिंस स्टार्क, हेजलवुड और लायन ने एकसाथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक 35 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से ऑस्ट्रेलियाई टीम को 22 में जीत मिली है जबकि नौ में टीम हारी है। वहीं चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। एक साथ अंतिम ग्यारह में रहते हुए इन चारों ने कुल मिलकर रिकॉर्ड 567 विकेट लिए हैं। वहीं साल 2000 के दशक में ली ने मैकग्रा, वॉर्न और गिलेस्पी के साथ मिलकर कुल 1842 विकेट लिए थे। इन चारों ने मिलकर 16 टेस्ट खेले थे जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 में जीती थी पर इसके बाद भी ली का मानना है वर्तमान समूह ने बेहतर तरीके से उनकी जगह ले ली है। ली ने कहा, मुझे लगता है कि कमिंस और उनके साथी अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं हालांकि किसी भी दौर की दूसरे से तुलना नहीं की जा सकती है पर मैं उन्हें हमसे ऊपर रखूंगा। अगर आप सिर्फ स्टैट्स देखें, तो सभी ने 250 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं, और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

युवा खिलाड़ियों से दुर्व्यवहार कर रहा था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, अनिश्चित काल के लिए लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) । युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (NSW) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, NSW और एक टी20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है। यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, 'एक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते।' सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

लक्ष्मी गुप्ता 73 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम

वाराणसी । बालिका सब जूनियर खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से 25 से 27 दिसंबर 2025 तक मऊ जिला खेल कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वाराणसी मंडल की टीम भाग लेगी, जिसके लिए जनपद स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को सुबह 9:00 से 10:00 तक वजन एवं 11:00 बजे से चयन ट्रायल किया गया। बालिकाओं का रिजल्ट इस प्रकार है। 40 किलो में प्रिया यादव43 किलो में प्रिया बिन्द 46 किलो में नेहा पाल 49 किलो मे रितिका कुमारी 53 किलो में सृष्टि यादव 57 किलो में खुशबू कुमारी 61 किलो में आराध्या यादव 65 किलो में खुशी चौहान 69 किलो में होली यादव 73 किलो में लक्ष्मी गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सभी बालिका पहलवान वाराणसी जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे मंडल स्तर पर चंदौली गाजीपुर जौनपुर जनपद भी भाग लेगा। मंडल स्तर पर 18 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे से 11:00 तक वजन 12:00 से चयन ट्रायल डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी में किया जाएगा।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के G.O.A.T. दौरे पर बोले पूर्व ओलंपिक विजेता अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किए जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही।

कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रूपए के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'जैसे-जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा। इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'एक पल के लिए उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किये जा रहे हैं। यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें। लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्जा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था।'

बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा, 'लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है। शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूं जो उनमे नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता।'

उन्होंने कहा, 'मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं। मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूं। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है।' मेस्सी के G.O.A.T. दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है। बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किए गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

बिंद्रा ने कहा, 'एक समाज के रूप में हम खेल संस्कृति का निर्माण कर रहे

हैं या दूर से व्यक्ति पूजा कर रहे हैं। खेलों में महान देश पलों के आधार पर नहीं, तंत्र के आधार पर बनते हैं। संयम के साथ। असाधारण सपने देखने वाले साधारण बच्चे में भरोसा करके।' बिंद्रा ने कहा, 'मेस्सी जैसे आइकन हमे प्रेरित करते हैं और वह प्रेरणा काफी मायने रखती है। लेकिन प्रेरणा का उद्देश्य भी होना चाहिए। दीर्घकालिन प्रतिबद्धता। विकल्प ऐसे चुनने चाहिए जिनसे हम बस आज भर के लिए रोमांचित नहीं हों बल्कि कल को भी मजबूत करें।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में बढ़ी हिंसा-उम्मीदवार पर गोलीबारी, चुनाव आयोग ने शीर्ष अधिकारियों के लिए मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में एक बार फिर बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बीच चुनाव आयोग ने अपने शीर्ष अधिकारियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। चुनाव आयोग ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयुक्त, अन्य आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे पुलिस सुरक्षा और अतिरिक्त एस्कॉर्ट वाहन की मांग की है। यह मांग ऐसे समय की गई है, जब आगामी संसदीय चुनाव के एक उम्मीदवार और पिछले साल के जुलाई आंदोलन के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी को ढाका में गोली मार दी गई। वह अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर रहे थे, तभी उन पर नजदीक से हमला हुआ। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। चुनाव आयोग ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद दो जिलों, लक्ष्मीपुर और पिरोजपुर, में उसके दफ्तरों पर भी हमले हुए हैं। इसके चलते आयोग ने देशभर में अपने क्षेत्रीय, जिला और उप-जिला कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है, क्योंकि वहां चुनाव से जुड़े अहम दस्तावेज और सामग्री रखी जानी है। अंतरिम सरकार ने हालात को देखते हुए देशभर में ऑपरेशन डेविल हंट-2 शुरू किया है। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को आत्मरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस देने का भी आश्वासन दिया गया है। वहीं विपक्षी दल बीएनपी ने सभी उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमले के दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

यूक्रेन युद्ध में सबसे खतरनाक काम करते थे उत्तर कोरियाई सैनिक, तानाशाह किम जोंग ने खुद कबूला

प्योंगयांग, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी ने एक वक्त पर जमकर सुर्खियां बटोरीं थीं। अब इन सैनिकों के बारे में उनके तानाशाह ने खुलासा किया है कि इन्होंने कैसे युद्ध क्षेत्र का सबसे मुश्किल काम किया। तानाशाह किम के मुताबिक इस साल की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यहां पर बारूदी सुरंगे हटाने का काम किया, जिसकी वजह से हजारों रूसी सैनिकों की जान बची। शनिवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया पर प्रसारित एक कार्यक्रम में किम जोंग उन ने रूस से वापस लौटे अपने इन सैनिकों की सराहना की। तानाशाह ने कहा, अगस्त से शुरू हुई 120 दिनों की तैनाती के दौरान हमारे सैनिकों ने अभूतपूर्व साहस दिखाया। चाहे अधिकारी हों या सैनिक सभी ने लगभग हर दिन अपनी कल्पना से परे मानसिक और शारीरिक दबावों पर काबू पाते हुए सामूहिक वीरता का परिचय दिया। बारूदी सुरंगे हटाने के काम के दौरान यह लोग अपने शहरों और गांवों को पत्र भी भेजते थे। किम ने आगे कहा, तीन महीने से भी कम समय में हमारे सैनिकों ने एक बड़े खतरनाक क्षेत्र को रूसी सेना के लिए पूरी तरह से सुरक्षित कर दिया। इसमें हमारे जिन भी सैनिकों की जान गई है। उनकी बहादुरी को हमेशा के लिए अमर बनाने के उद्देश्य से राज्य उनको सम्मान प्रदान करेगा। सरकारी मीडिया की तरफ से जारी की गई फोटोस में किम साफ तौर पर वापस आए सैनिकों को गले लगाते हुए देखे जा सकते हैं। इनमें से कुछ सैनिक घायल और व्हील चेयर पर भी दिखाई दिए। इससे पहले, उत्तर कोरिया शुरुआत से ही पुतिन की मदद के लिए कुर्स्क क्षेत्र में सैनिक भेज रहा है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इस युद्ध में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिक भेजे हैं। इसके बदले में रूस उसकी वित्तीय सहायता, सैन्य तकनीक, खाद्य सामग्री और ऊर्जा आपूर्ति में मदद कर रहा है। इसकी वजह से अपने परमाणु कार्यक्रम के कारण अलग-थलग पड़े इस देश को अपने अभियान चलाने में मदद मिल रही है।

इमरान खान को डराने के लिए..., जनरल फैज हमीद की सजा पर सिंध के नेता ने कहा

इस्लामाबाद , एजेंसी। सिंध राष्ट्रवादी नेता शफी बुरफत ने पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा जनरल फैज हमीद को 14 साल की सजा सुनाए जाने की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इसे सैन्य ड्रामा करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सजा सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और राजनीतिक दबाव बनाने का एक षड्यंत्र है, खासकर इमरान खान जैसे नेताओं को डराने के लिए। बुरफत ने कहा कि इस सजा का उद्देश्य असल में जवाबदेही नहीं, बल्कि राजनीति में सैन्य दखल को और मजबूत करना है। उन्होंने 1971 के बंगाल नरसंहार और बलात्कार के मामले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान की सेना पर आरोप लगाया कि उसने अपने उच्च अधिकारियों को कभी जवाबदेह नहीं ठहराया। बुरफत ने पाकिस्तान की सैन्य संलिप्तता के मामलों का जिक्र करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की न्यायिक हत्या, बेनजीर भुट्टो की हत्या और पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की हत्या में सेना की भूमिका पर सवाल उठाया। साथ ही, बुरफत ने पाकिस्तान के सैन्य शासन को सिंध, बलूचिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना वैश्विक शक्तियों के लिए एक हथियार बन चुकी है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी; ब्राउन यूनिवर्सिटी में चलीं गोलियां, दो की मौत आठ घायल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना हुई है। रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और आठ लोग घायल हुए हैं। जांच अधिकारियों ने अभी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि रविवार को ब्राउन यूनिवर्सिटी के इलाके में कई लोगों को गोली मारी गई। इसके बाद आइवी लीग स्कूल ने शूटर अलर्ट जारी किया और छात्रों और स्टाफ से सुरक्षित जगह शरण लेने की अपील की। पुलिस ने तुरंत पीड़ितों की संख्या, उनकी हालत या गोलीबारी की परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

यूनिवर्सिटी ने इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम से जारी किया अलर्ट : ब्राउन यूनिवर्सिटी के इमरजेंसी नोटिफिकेशन सिस्टम के जरिए जारी अलर्ट के अनुसार, यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और स्टाफ को बताया कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में कहा कि ऐसा नहीं है और पुलिस अभी भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप को भी दी गई है गोलीबारी की जानकारी : स्थानीय नेता जॉन गोंसाल्वेस ने कहा, हमें अभी भी इस बारे में जानकारी मिल रही है कि क्या हो रहा है। हमने लोगों से अपने खिड़की-दरवाजे बंद रखने और सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने घटना पर दुख जताया। रिपोर्ट के अनुसार,

गोलीबारी बारस और हॉली बिल्डिंग के पास हुई, जो एक सात मंजिला कॉम्प्लेक्स है, जिसमें यूनिवर्सिटी का स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और भौतिकी विभाग है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार, बिल्डिंग में 100 से ज़्यादा लैबोरेटरी, दर्जनों क्लासरूम और ऑफिस हैं। जब गोलीबारी हुई, तब बिल्डिंग में इंजीनियरिंग डिजाइन की परीक्षा चल रही थी। राष्ट्रपति ट्रंप को भी गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी दी गई है।

काले कपड़ों में आया और बरसाने लगा गोलियां: अमेरिकी यूनिवर्सिटी गोलीकांड पर क्या बोले अधिकारी: प्रोविडेंस शहर , एजेंसी। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा, जो सोचा भी नहीं जा सकता था, वही हो गया है। प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि लोगों को अपने घरों या इमारतों के अंदर ही रहने को कहा गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के पास रहने वाले लोगों से खतरा खत्म होने तक बाहर न निकलने और आदेश खत्म होने तक घरों में ही रहने की अपील की। स्माइली ने कहा, हम संदिग्ध को पकड़ने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। केमिकल इंजीनियरिंग की छात्रा एमा फेरारो इंजीनियरिंग बिल्डिंग की लॉबी में फाइनल प्रोजेक्ट पर काम कर रही थीं, तभी उन्होंने पूर्व दिशा से तेज आवाजें सुनीं। जब उन्हें समझ आया कि ये गोलियों की आवाज है, तो वह दरवाजे की ओर भागीं और पास की एक इमारत में चली गईं, जहां उन्होंने कुछ घंटों तक इंतजार किया।

अस्पताल की प्रवक्ता केली ब्रेनन के मुताबिक, गोली लगने से घायल आठ लोगों को रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया। इनमें से छह की हालत गंभीर है, लेकिन स्थिर है। एक अन्य की हालत गंभीर है और एक की हालत स्थिर बताई गई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शुरू में छात्रों और कर्मचारियों से कहा था कि एक संदिग्ध हिरासत में है, लेकिन बाद में बताया कि ऐसा नहीं है। मेयर ने कहा कि शुरू में एक व्यक्ति को इस गतिविधि में शामिल समझकर रोका गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हुआ कि उसका इस घटना से कोई संबंध नहीं है।

गोलीबारी के करीब पांच घंटे बाद टैक्टिकल गियर पहने पुलिसकर्मियों ने परिसर की इमारतों से कुछ छात्रों को बाहर निकालकर एक फिटनेस केंद्र में पहुंचाया। यह गोलीबारी बारस और हॉली इमारत में हुई, जो सात मंजिला परिसर है और जिसमें इंजीनियरिंग स्कूल और भौतिकी विभाग स्थित हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, इस इमारत में 100 से ज्यादा प्रयोगशालाएं, दर्जनों कक्षाएं और कार्यालय हैं।

75 साल की दोस्ती को नया आयाम, भारतीय राजदूत बोले- रिश्तों को नए स्तर पर ले जाने का अवसर

अम्मान , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 और 16 दिसंबर को जॉर्डन के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह उनका जॉर्डन का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। इस दौरे को भारत और जॉर्डन के बीच रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। ऐसे में पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर जॉर्डन में भारत के राजदूत मनीष चौहान ने कहा है कि यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करने के साथ-साथ रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाने का अवसर है।उन्होंने कहा कि यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और जॉर्डन अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। चौहान ने कहा कि यह मौका ऐतिहासिक है और इस वर्ष की सबसे यादगार घटनाओं में से एक होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 दिसंबर को जॉर्डन पहुंचेंगे और 16 दिसंबर तक वहां रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह इस सदी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऐसा दौरा है।

2018 में जॉर्डन गए थे पीएम मोदी, लेकिन : बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 2018 में जॉर्डन सिर्फ ट्रांजिट (रुकते हुए) आए थे। यह यात्रा जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर हो रही है। राजदूत ने कहा कि यह दौरा भारत-जॉर्डन संबंधों और पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। इस दौरान दोनों देश न

सिर्फ अब तक की मजबूत दोस्ती पर चर्चा करेंगे, बल्कि भविष्य में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर भी बात करेंगे।

जॉर्डन में पीएम मोदी की कार्यक्रम : राजदूत चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। वे जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला द्वितीय भारत-जॉर्डन बिजनेस इवेंट को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जॉर्डन में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और जॉर्डन के रिश्ते हमेशा से दोस्ताना और मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छा तालमेल है। आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध मजबूत हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में इमिग्रेशन रेड्स से बचने के लिए छात्रों ने निकाला जुगाड़

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लोयोला यूनिवर्सिटी शिकागो के छात्र ट्रंप सरकार की इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट करने में जुटे हैं। दरअसल ये छात्र एक गूगल मैप अपडेट कर रहे हैं, जहां हर लाल पिन कैंपस और आसपास के इलाकों में फेडरल इमिग्रेशन एजेंट्स की साइटिंग को दिखाता है। इससे लोगों को रियल टाइम में पता चल जाता है कि कैंपस के किस इलाके में इमीग्रेशन की रेड चल रही है या फिर सरकारी एजेंट मौजूद हैं।

ट्रंप की प्रेसिडेंसी में नया रोल : ये युवा छात्र और पत्रकार इमिग्रेशन रेड्स को डॉक्यूमेंट कर रहे हैं। उनका मकसद ऑनलाइन अफवाहों को फैक्ट्स से चुनौती देना और लोगों को उन इलाकों का मैप देना है जहां एजेंट्स ज्यादा सक्रिय हैं, ताकि हाल के महीनों में फैली दहशत कम हो। ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद उनकी सरकार ने बड़े इमिग्रेंट समुदायों वाले शहरों में आक्रामक स्वीप्स शुरू किए, ताकि गैरकानूनी रहने वालों को डिपोर्ट करने का कैंपेन वादा पूरा हो सके। शिकागो इसमें प्रमुख शहर है। डीएचएस का कहना है कि वे हिंसक अपराधियों को टारगेट कर रहे हैं, और अब तक 4,300 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एक स्पोक्सपर्सन ने कहा, हमारे प्रयास जारी हैं, हम शिकागो को नहीं छोड़ रहे। ऑपरेशन से पहले ही विश्वविद्यालय कैंपस पर अफवाहें फैल चुकी थीं। महीनों पहले यूएस सेंसस ब्यूरो का एक व्यक्ति डॉर्म में आया, तो झूठी खबर फैली कि आईसीई आ गया। छात्रों ने द फीनिक्स स्टाफ से पूछा कि क्या ये सच है। लोयोला यूनिवर्सिटी लंबे समय से गैरकानूनी इमिग्रेंट्स को जगह देती रही है, खासकर डाका छात्रों को जो बच्चे के रूप में अमेरिका आए। ये यूनिवर्सिटी का सोशल जस्टिस मिशन है। अक्टूबर की शुरुआत में दो छात्रों ने गूगल मैप शुरू किया। इसमें रियल टाइम में हर पिन फोटो, टाइमस्टैम्प्ड वीडियो या कई गवाहों से वेरिफाई की जाती है। ये पिन्स लोगों को बताते हैं कि एजेंट्स कहां इकट्ठा हो रहे हैं। मसलन नोट्स में डिटेल्स कुछ ऐसे होते हैं, 12 अक्टूबर को वेस्ट नॉर्थ शोर एवेन्यू पर आर्म्ड एजेंट्स स्पॉट हुए, 21 अक्टूबर को नॉर्थ लिंकन एवेन्यू होम डिपो पर गिरफ्तारी हुई। डीएचएस ने इनकी पुष्टि की है।

महिला बनती है दूल्हा, पार्टी भी असली; पाकिस्तान में युवा कर रहे हैं फेक वेडिंग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इन दिनों फेक वेडिंग (नकली शादी) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह एक ऐसा संगठित सामाजिक कार्यक्रम है जो लोगों को शादी से जुड़ी आजीवन प्रतिबद्धता या पारिवारिक दबावों के बिना शानदार जश्न मनाने और सामाजिक मेलजोल का मौका देता है। पहली नजर में, शादी का मंच आम पाकिस्तानी मेहंदी जैसा दिखता है। गेंदे के फूलों से सजा, दूल्हा-दुल्हन के बैठने की जगह चमकीले पीले रंगों से सजी हुई दिखती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दूल्हा एक महिला होती है। यह समलैंगिक विवाह नहीं, बल्कि एक फेक वेडिंग है, जो युवाओं को सामाजिक दबाव से मुक्त होकर एक शानदार रात का आनंद लेने का अवसर देती है। 2023 से यह चलन जोर पकड़ रहा है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ

मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा 2023 में आयोजित एक फेक वेडिंग को राष्ट्रीय और वैश्विक मीडिया पर काफी ध्यान मिलने के बाद इस तरह के आयोजनों की लोकप्रियता बढ़ गई थी। हालांकि इस ट्रेंड की लोकप्रियता युवाओं और प्रभावशाली लोगों के बीच बढ़ी, लेकिन मीडिया कवरेज के कारण इसे ऑनलाइन काफी आलोचना और विरोध का सामना भी करना पड़ा। एलयूएमएस छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष सैराम एच. मिरान ने डॉयचे वेले को बताया कि घटना के फुटेज वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय के छात्रों को ऑनलाइन ट्रोल झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि मीडिया और लोग अक्सर एलयूएमएस को एक अभिजात्य विश्वविद्यालय के रूप में देखते हैं, जो वास्तविकता से कटा हुआ है जिसके कारण नकारात्मक खबरें अधिक ध्यान आकर्षित करती हैं। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए साप्ताहिक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करता है और माना जाता था कि फेक वेडिंग समारोह, जश्न और मौज-मस्ती के लिए एक अधिक पारंपरिक और सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थान प्रदान करते हैं। हालांकि, आलोचना के बाद, छात्र परिषद और विश्वविद्यालय ने छात्रों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती। महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान समाज के दबाव या परिवार की निगरानी के बिना शादी के उत्सवों का आनंद लेना ही इन फेक वेडिंग कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण है। यह महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस दौरान पारंपरिक पाकिस्तानी शादी का मेहंदी समारोह का आयोजन किया जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से महिलाओं को मेहंदी लगाया जाता है।

दक्षिण अफ्रीका मंदिर हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई चार, एक भारतीय भी शामिल; प्रशासन को जांच के आदेश

जोहानसबर्ग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में बीते शुक्रवार दोपहर को अहोबिलम टेंपल ऑफ प्रोटेक्शन के निर्माण स्थल पर हुए भीषण हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। वहीं अभी भी कई लोगों के मलबे में फंसे होने की संभावना जताई जा रही है। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राहत और बचाव कर्मी पिछले दो दिनों से मलबे में दबे एक पांचवें शव को निकालने की कोशिश कर रहे थे।

हालांकि, शनिवार दोपहर खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को

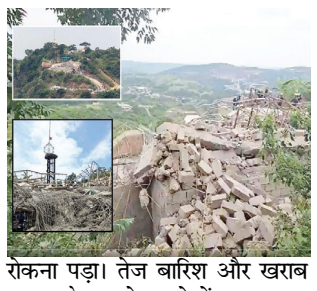

रोकना पड़ा। तेज बारिश और खराब हालात के चलते मलबे में काम करना बेहद मुश्किल हो गया। बता दें कि पहले मीडिया रिपोर्टस में बताया गया था कि इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग मलबे में दबे हैं। ऐसे में जब ताजा अपडेट सामने आया तब इस बात की पुष्टि की गई कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर चार हो गई है। मृतकों में एक भारतीय भी शामिल बता दें कि मंदिर एक ढलान वाली पहाड़ी पर बनाया जा रहा था और इसमें चट्टानों का इस्तेमाल किया गया था, जिन्हें भारत से लाया गया और निर्माण स्थल पर खुदाई की गई थी। मंदिर का डिजाइन गुफा जैसा था और इसे भगवान नरसिंहदेव की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक के लिए बनाया जा रहा था। हादसे में मारे गए लोगों में से एक 52 वर्षीय भारतीय मूल के विक्की जैरज पांडे हैं, जो मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य और निर्माण परियोजना के प्रबंधक थे। पांडे पिछले दो साल से मंदिर निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल थे। मामले में रिएक्शन यूनिट साउथ अफ्रीका के प्रवक्ता प्रेम बलराम ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हुए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि हालात सामान्य होने के बाद फिर से तलाशी अभियान शुरू किया जाएगा। प्रशासन को मिले घटना के जांच के आदेश गौरतलब है कि इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था या नहीं। स्थानीय लोग और मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नवाज शरीफ की 2017 में विदाई एक साजिश थी, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले- इसके पीछे फैज हमीद का हाथ

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद ही वर्ष 2017 में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सत्ता से हटाने के जिम्मेदार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया एक सुनियोजित साजिश थी, जिसे फैज हमीद की निगरानी में अंजाम दिया गया। सियालकोट में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि फैज हमीद को 15 महीने तक चले सैन्य ट्रायल के बाद 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है और उनके खिलाफ अभी और भी मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू होनी बाकी है। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने कहा कि फैज हमीद के कृत्यों से देश को भारी नुकसान हुआ। आसिफ ने कहा कि नवाज शरीफ को सत्ता से हटाना, उनके खिलाफ मामले दर्ज करना, आरोप लगाना और फिर इमरान खान को सत्ता में लाना, यह सब प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा था, जिसे फैज हमीद चला रहे थे। उनके अनुसार, इस पूरे प्रोजेक्ट की निगरानी फैज हमीद कर रहे थे। नवाज शरीफ, जो पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, जुलाई 2017 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पद से हटाए गए थे। यह उनके राजनीतिक करियर के लिए बड़ा झटका था। नवाज शरीफ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख रहे हैं। फिलहाल उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री हैं और बेटी मरियम नवाज पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं।

फैज हमीद और इमरान खान ने देश को नुकसान पहुंचाया : रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि फैज हमीद और उनके साझेदार इमरान खान ने मिलकर देश को गंभीर नुकसान पहुंचाया। इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई मामले चल रहे हैं। आसिफ ने कहा कि 2018 के आम चुनावों में इमरान खान की जीत भी प्रोजेक्ट इमरान का हिस्सा थी। उन्होंने आरोप लगाया कि फैज हमीद उस सरकार का सबसे अहम चेहरा थे और उन्होंने राजनीतिक विरोधियों को धमकाने और जेल भेजने में अहम भूमिका निभाई। उनके अनुसार, इस पूरे दौर का सबसे बड़ा लाभ इमरान खान को मिला। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि फैज हमीद के कार्यकाल में संसद तक को निर्देश दिए जाते थे और देश के भविष्य से जुड़े फैसले प्रधानमंत्री आवास के पिछवाड़े में किए जाते थे। उन्होंने दावा किया कि फैज हमीद के तबादले के बाद उनका यह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे बिखरने लगा।

भारत के साथ सैन्य टकराव पर ख्वाजा आसिफ का दावा रक्षा मंत्री ने एक विवादास्पद बयान में कहा कि अगर फैज-इमरान गठजोड़ अब भी मौजूद होता, तो शायद भारत के साथ सैन्य टकराव की जरूरत भी नहीं पड़ती, क्योंकि वे देश को भीतर से ही तबाह कर देते। गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

सीरिया हमले में तीन अमेरिकियों की मौत, भड़के ट्रंप; कहा- आईएसआईएस से लेंगे बदला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया में हुए एक हमले के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि अमेरिका इसका जवाब देगा। इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई है। अमेरिका का आरोप है कि इस हमले के पीछे आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस/आईएसआईएस) का हाथ है।

यह आईएसआईएस का हमला- ट्रंप : शनिवार को व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, यह आईएसआईएस का हमला है और हम इसका बदला जरूर लेंगे। वह इस दौरान आर्मी-नेवी फुटबॉल मैच देखने के लिए बाल्टीमोर रवाना हो रहे थे। ट्रंप ने हमले में मारे गए तीनों अमेरिकियों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस हमले में घायल हुए तीन अन्य अमेरिकी फिलहाल ठीक हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, हम सीरिया में तीन महान अमेरिकी देशभक्तों, दो सैनिकों और एक नागरिक की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनकी हालत में अभी-अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह सीरिया के एक बेहद खतरनाक हिस्से में, जो पूरी तरह से उनके नियंत्रण में नहीं है, अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा इस हमले से बेहद नाराज और परेशान हैं। इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिकियों पर कहां और कैसे हुआ हमला : जानकारी के मुताबिक, सीरिया के मध्य हिस्से में शनिवार को हुए एक हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और

एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई। इस हमले में तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी। सेंटकॉम के अनुसार, यह हमला इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन के एक अकेले हमलावर ने घात लगाकर किया। यह हमला राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से हटने के एक साल बाद अमेरिकी बलों पर हुआ पहला घातक हमला है। यह हमला ऐतिहासिक शहर पालमायरा के पास हुआ। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना के मुताबिक, हमले में सीरियाई सुरक्षा बलों के दो जवान और कुछ अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए। घायलों को हेलीकॉप्टर से इराक और जॉर्डन की सीमा के पास स्थित अल-तनफ सैन्य अड्डे पर ले जाया गया। साना ने बताया कि हमलावर को मार गिराया गया है। वहीं, ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने दावा किया कि हमलावर सीरिया की सुरक्षा बलों से जुड़ा था। अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा- हेगसेथ अमेरिकी सेना ने कहा कि मृत सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जाएगी। रक्षा विभाग की नीति के अनुसार, पहले उनके परिजनों को सूचना दी जाएगी, उसके 24 घंटे बाद नाम जारी किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर कहा, अगर आप दुनिया में कहीं भी अमेरिकियों को निशाना बनाते हैं, तो अमेरिका आपको ढूंढेगा और खत्म करेगा। अमेरिका के सैकड़ों सैनिक पूर्वी सीरिया में तैनात हैं, जो आईएस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा हैं। पिछले महीने सीरिया भी औपचारिक रूप से इस गठबंधन में शामिल हुआ था। हालांकि आईएस को 2019 में सीरिया में सैन्य रूप से हरा दिया गया था, लेकिन उसके स्लीपर सेल अब भी हमले करते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सीरिया और इराक में अब भी आईएस के 5,000 से 7,000 लड़ाके मौजूद हैं। इससे पहले 2019 में मंनबिज शहर में हुए एक धमाके में दो अमेरिकी सैनिक और दो अमेरिकी नागरिक मारे गए थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेश यात्रा पर लंदन गए राहुल गांधी.... वहां से जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 3:20 बजे नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वे बाद में जर्मनी जाएंगे, जहां 17 दिसंबर को बर्लिन में सांसदों और भारतीय प्रवासी समुदाय से उनकी मुलाकात होनी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर रहने वाले है। वहां वे जर्मन सरकार के अफसरों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करने वाले है। राहुल गांधी का पिछले 6 महीनों में यह 5वां विदेश दौरा है। इससे पहले जुलाई से लेकर सितंबर के बीच वे लंदन, मलेशिया, ब्राजील, कोलंबिया की यात्रा पर गए थे। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में होने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आए आईओसी के नेताओं से मुलाकात करने वाले है। आईओसी ने इस दौरे को पार्टी के वैश्विक संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल बताया है। इस दौरान यूरोप में आईओसी के लोकल ब्रांच के सभी प्रमुख एनआरआई मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करेगी।

पराली जलाते समय बुजुर्ग किसान की झुलसकर मौत

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में धान की पराली जलाते समय 60 वर्षीय किसान की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गजेंद्र स्वैन के रूप में हुई, जो सुनामुहीन गांव का निवासी था। पुलिस ने बताया कि उसका जला हुआ शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि आग पास के एक खेत में फैल गई, जहां से धान की कटाई अभी बाकी थी। पुलिस ने बताया कि स्वैन (जो अकेला था) ने आग को काबू करने की कोशिश की, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। अधिकारी ने कहा, ऊउसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव लगभग 90 प्रतिशत जल गया था।

पूर्वी दिल्ली के मंदिर में महिला की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मानसरोवर पार्क इलाके में एक मंदिर के अंदर हुई 48 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी मच गई है। मानसरोवर पार्क इलाके में डीडीए फ्लैट परिसर में स्थित एक मंदिर के अंदर, रविवार को दोपहर करीब 12 बजे हुई। पीड़िता कुसुम शर्मा (48), मानसरोवर पार्क निवासी। महिला मंदिर में पूजा कर रही थी, तभी उस पर चाकू से हमला किया गया। पीड़िता के सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर चाकू के कई घाव थे। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के बाद दिन में ही मुख्य आरोपी आंचल सक्सेना नामक महिला को गिरफ्तार कर लिया। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। शुरुआती सूचना में बताया गया था कि दो लोगों ने महिला पुजारी पर हमला किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हिरासत में ली गई महिला सहित दो लोगों ने शर्मा पर बार-बार चाकू से हमला किया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह पुरानी दुश्मनी का मामला प्रतीत होता है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस हमलावरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की करानी पड़ी आपात लैंडिंग

आगरा (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हेलीकॉप्टर सोमवार को मौसम खराब होने के कारण आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से राजस्थान के भरतपुर जा रहे थे, लेकिन खराब मौसम के कारण पायलट को हेलीकॉप्टर को आगरा की ओर मोड़ना पड़ा। हेलीकॉप्टर ने जयपुर से उड़ान भरी थी। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा, जहां मुख्यमंत्री को लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तिवारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने भरतपुर के लिए यात्रा फिर से शुरू की। राजस्थान के भरतपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा के बीच करीब 60 किलोमीटर की दूरी है और दोनों की सीमाएं आपस में सटी हुई हैं।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घने कोहरे के कारण 61 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे की चादर छाने के कारण कम दृश्यता के चलते 61 उड़ानें रद्द हुई, जबकि 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह 7:05 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। घने कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली करीब पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी का अंतिम चरण के लिए दिल्ली आगमन विलंबित हो गया है, क्योंकि घने कोहरे के कारण मुंबई से उनकी उड़ान स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले, दिल्ली हवाई अड्डे ने सोमवार, 15 दिसंबर की सुबह यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी सलाह जारी की थी, जिसमें उड़ान संचालन में व्यवधान की चेतावनी दी गई थी। ताजा अपडेट के लिए, यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। असुविधा के लिए हमें खेद है। एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि दिल्ली में कम दृश्यता और कोहरे के कारण उड़ानों के समय पर असर पड़ेगा। हम मौसम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और सुगम तरीके से आपके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

6.26 करोड़ मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने 6.26 करोड़ रुपए मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आरोपियों की योजना लाल चंदन का अवैध रूप से निर्यात करने की थी। मंत्रालय ने बताया कि लाल चंदन की लकड़ियां विभिन्न गोदामों से जब्त की गईं और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। विदेशी व्यापार नीति के तहत लाल चंदन के निर्यात पर बैन लगा है।

प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में हलचल

- प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से मिली हवा

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर द्वारा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की खबर के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारे में हलचल मची है। दरअसल सियासी गलियारों में यह मुलाकात प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से हवा दे रही है। मालूम हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के असफल प्रदर्शन के बाद चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) की रणनीति पर काफी सवाल उठे। चुनावों के तुरंत बाद पीके ने इस करारी हार की जिम्मेदारी ली और फिर से कोशिश में जुटने का वादा किया था। इसके बाद से उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर से वे सुर्खियों में आ गए हैं। पीके ने कल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। ख़ास बात ये है कि दिल्ली में हुई यह मुलाकात तीन साल के गहरे राजनीतिक दूरी के बाद हुई है, जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच पुराना संवाद रुका हुआ था। अब इस मुलाकात के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होकर एक बड़ा राजनीतिक कदम उठाना चाहते हैं या यह सिर्फ सियासी बातचीत का हिस्सा है। हालांकि इस बैठक का समय और तरीका दोनों ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली, जिसमें दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक हालात और भविष्य की संभावनाओं पर बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के साथ किसी तरह का राजनीतिक तालमेल या गठबंधन कर सकते हैं? खासकर तब, जब हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और पार्टी खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं कांग्रेस की स्थिति भी बेहद कमजोर रही और पार्टी सिर्फ 6 सीटों पर सिमट गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद दोनों ही पक्ष नए सिरे से रणनीति तलाश रहे हैं। ऐसे में पीके और प्रियंका गांधी की यह मुलाकात महज शिष्टाचार नहीं, बल्कि भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक योजना का संकेत भी हो सकती है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस को लेकर अटकलें तेज हुई हों। दरअसल, प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच संबंध इस बैठक से ही शुरू नहीं हुए हैं। लगभग 4 साल पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। उस समय प्रशांत किशोर ने खुद खुलासा किया था कि सोनिया गांधी ने उन्हें पार्टी के लिए एक प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया था कि करीब 9 घंटे तक उन्होंने अपना विजन और रणनीति पेश की थी, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे और अधिकांश सुझावों से सहमत थे। हालांकि पीके ने कांग्रेस में शामिल न होने की वजह भी स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व उनके प्लान को जमीन पर उतारने के लिए तैयार नहीं था, इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पीके का यह भी कहना था कि उनके पास कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, इसलिए वे किसी एक व्यक्ति या विचारधारा से बंधकर राजनीति नहीं करना चाहते। अब एक बार फिर पीके और प्रियंका गांधी की मुलाकात ने पुराने सवालों को जिंदा कर दिया है। क्या यह

बातचीत सिर्फ विचार-विमर्श तक सीमित थी या आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कोई नया समीकरण देखने को मिलेगा, इस पर सभी की नजर टिकी हुई है। प्रशांत किशोर की बात करें तो उनका राजनीतिक सफर अक्सर बदलावों और नई दिशाओं को अपनाने वाला रहा है- जिसका श्रेय उन्हें रणनीतिक सोच और जन संपर्क क्षमता के रूप में दिया जाता है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति में एक जाने-माने चुनावी रणनीतिकार हैं, जिन्होंने कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार की है।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू परिवार की सुनवाई फिर टली

-अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी से जुड़े बहुचर्चित मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया फिर टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की 19 दिसंबर तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की। सीबीआई ने कहा कि वह 19 दिसंबर तक सभी आरोपियों से जुड़ी विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर देगी। पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने एजेंसी को यही रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी समेत कुल 103 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि, एजेंसी ने अदालत को बताया कि इनमें से चार आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसी वजह से कोर्ट यह स्पष्ट करना चाहती है कि कौन-कौन आरोपी जीवित हैं और किनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई संभव है। इससे पहले 11 दिसंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने की सुनवाई को 15 दिसंबर तक टाल दी थी। उस समय कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह सभी आरोपियों की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट पेश करे। वहीं 8 दिसंबर को कोर्ट ने सीबीआई को दो दिन का अतिरिक्त समय भी दिया था, ताकि एजेंसी यह साफ कर सके कि किन आरोपियों का निधन हो चुका है और किनके खिलाफ मामला आगे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआई ने दाखिल चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले उम्मीदवारों और उनके परिजनों से जमीन ली गई। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि जमीन की खरीद से जुड़े ज्यादातर लेन-देन नकद में हुए जबकि कुछ मामलों में केवल सेल डीड ही मौजूद हैं। सीबीआई ने इस मामले में आरोप तय करने की मांग की है।

नितिन नबीन की नियुक्ति पर कांग्रेस का तंज... रिमोट कंट्रोल शाह के हाथ में रहेगा

नई दिली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर तंज कस कंस दिया हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया है कि यह नियुक्ति केवल सांकेतिक है, और पार्टी की असली बागडोर (रिमोट कंट्रोल) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में ही रहेगी। कार्यकारी अध्यक्ष का पदनाम भाजपा का एक सांकेतिक शब्द है। इसका अर्थ है कि गैर-कार्यकारी केंद्रीय गृह मंत्री भाजपा अध्यक्ष को नियंत्रित करते हैं। यह नियुक्ति बिना चुनाव के की गई है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने आरोप लगाया कि पहले भी ऐसा ही होता आया है, जब नड्डा (पूर्व अध्यक्ष) घूमते-फिरते थे, लेकिन प्रमुख निर्णय अमित शाह लेते थे, और अब भी ऐसा ही होगा। बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन ने सोमवार को दिल्ली पहुंचकर भाजपा मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय भूमिका

का श्रेय बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को स्वीकार किया। दिल्ली रवाना होने से पहले, नबीन ने पटना के महावीर मंदिर का दौरा किया और अपने पिता, दिवंगत वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नबीन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने हमेशा कार्यकर्ताओं को सीखने, काम करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कैश कांड मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा को जवाब के लिए 6 हफ्ते का दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा ने आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। कैश कांड की जांच के लिए गठित संसदीय समिति ने उन्हें 6 सप्ताह का और समय देने का फैसला किया है। हालांकि समिति ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद किसी भी तरह का समय विस्तार नहीं दिया जाएगा। माना जा रहा है कि जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में इस मामले में आगे की कार्यवाही शुरू हो सकती है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 12 अगस्त को इस जांच समिति का गठन किया था। जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के समर्थन में लाए गए प्रस्ताव पर 146 सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसके समानांतर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भी एक अलग समिति गठित की गई थी। दोनों ही समितियों ने जस्टिस वर्मा के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें बदनाम करने के इरादे से नकदी रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति इस पूरे मामले की जांच कर रही है। समिति ने जस्टिस वर्मा से उन पर लगे आरोपों को लेकर लिखित जवाब मांगा था। 5 दिसंबर को हुई कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा ने समिति से 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, लेकिन समिति ने विचार-विमर्श के बाद उन्हें केवल 6 सप्ताह का अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया।

जांच समिति ने आरोपों के समर्थन में सबूतों के साथ मेमो ऑफ चार्जेस भी दाखिल किया है। इसमें दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा 14 और 15 मार्च की रात आग बुझाने के दौरान बनाए गए वीडियो, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इन सबूतों के आधार पर समिति ने आरोपों को गंभीर माना है। लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित समिति की कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा को अपना पक्ष रखने, आरोपों पर सफाई देने और अपने पक्ष में गवाह पेश करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। हालांकि सदन की समिति पहले ही जस्टिस वर्मा की इस दलील को अस्वीकार कर चुकी है कि कैश उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से रखा गया था। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक और विशेषज्ञों के सबूत यह साबित करते हैं कि नई दिल्ली स्थित 30 तुगलक क्रीसेंट के स्टोररूम में नकदी मौजूद थी। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को केंद्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किया गया है। पैनल ने यह भी दर्ज किया कि 15 मार्च की सुबह जले हुए 500 रुपये के नोटों की गड्डियों को 'भरोसेमंद नौकरों' की मदद से साफ किया गया था और यह पूरी प्रक्रिया जस्टिस वर्मा के निजी सचिव की मौजूदगी में हुई। लोकसभा द्वारा गठित समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज अरविंद कुमार, मद्रास

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं। वहीं, 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अनु शिवरमन को शामिल किया गया था।

विधायक ने कहा- प्रियंका गांधी को सौंपें लीडरशिप, कांग्रेस ने दिखा दिया बाहर का रास्ता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधायक मोहम्मद मुकीम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके उस पत्र के बाद हुई है जिसमें उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए थे। मुकीम ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र पर टिप्पणी की थी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रमुख नेतृत्व भूमिका देने की मांग की थी। ओडिशा प्रदेश इकाई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुकीम को पार्टी से निकालने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुकीम बाराबती-कटक से पूर्व विधायक हैं और खुद को कांग्रेस का आजीवन समर्पित कार्यकर्ता बताते हैं। उनकी बेटी वर्तमान में विधायक हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में मुकीम ने कहा कि पार्टी मुश्किल दौर से गुजर रही है और नए नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने खरगे की 83 वर्ष की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष की प्रमुख पार्टी के नेता के रूप में आवश्यक मेहनत, दौड़-भाग और लोगों से जुड़ाव संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि खरगे सलाहकार की भूमिका निभाएं और किसी युवा नेता को आगे लाएं। मुकीम ने प्रियंका गांधी सहित अन्य

युवा नेताओं की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी अपनी भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय नेतृत्व चाहिए। यह अपील उन्होंने कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ता के रूप में सोनिया गांधी से की।

मुकीम के पत्र में पार्टी नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी पर कड़ी चिंता जताई गई थी। उन्होंने दावा किया कि खुद तीन वर्षों से राहुल गांधी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। पत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और हिमंत बिस्वा सरमा जैसे युवा नेताओं के पार्टी छोड़ने का उदाहरण दिया गया, जिन्होंने खुद को उपेक्षित महसूस किया। मुकीम ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी को केंद्रीय और सक्रिय भूमिका संभालनी चाहिए तथा सचिन पायलट, डी.के. शिवकुमार, ए. रेवंत रेड्डी और शशि थरूर जैसे नेताओं को मुख्य नेतृत्व टीम का आधार बनना चाहिए।

उन्होंने पार्टी की स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया कि उसकी मौजूदगी भौगोलिक, संगठनात्मक और भावनात्मक स्तर पर सिमटती जा रही है। समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए यह निराशाजनक और दिल तोड़ने वाली है। मुकीम ने बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव परिणामों को केवल हार नहीं, बल्कि गहरे संगठनात्मक अलगाव का संकेत बताया। इन चुनावों में पार्टी को भारी अंतर से पराजय मिली थी। उन्होंने नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी बढ़ने की बात दोहराई और कहा कि विधायक रहते हुए भी वे राहुल गांधी से नहीं मिल पाए। सोनिया गांधी को लिखे पत्र में मुकीम ने स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं, बल्कि पूरे देश के कार्यकर्ताओं द्वारा महसूस किए जा रहे भावनात्मक अलगाव का संकेत है। उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए गहन संरचनात्मक, संगठनात्मक और वैचारिक नवीनीकरण की जरूरत पर जोर दिया। यह घटना पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करती है और नेतृत्व परिवर्तन की मांग को बल देती है। मुकीम की यह अपील पार्टी के भविष्य और युवा नेतृत्व की भूमिका पर व्यापक बहस छेड़ सकती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोहरा बना काल... अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत

-मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार को घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। फरीदाबाद और नूंह जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोगों की मौत। कई वाहन आपस में टकराए और दस से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल है।

सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा हादसों का कारण बना। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता नहीं दिखा और एक के बाद एक टक्कर होती चली गई। फरीदाबाद के कैल गांव के पास दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों में एक की पहचान संदीप कुमार निवासी जयपुर के

रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्थान के पास कुछ ही देर बाद दूसरा हादसा भी हुआ। एक कैंटर में पीछे से क्रेटा गाड़ी जा टकराई। गनीमत रही कि क्रेटा चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

जिला नूंह में भी कोहरे ने बड़ा हादसा करा दिया। सुबह करीब चार बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर करीब 30 वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला के राजकीय अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मरने वालों में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार निवासी अलवर और जयपुर निवासी कारोबारी खलील अहमद शामिल हैं। कुछ स्थानों पर ट्रक पलटने की भी सूचना है, जिससे यातायात काफी देर तक बाधित रहा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया।

दुनिया भर में चुनाव और राजनीतिक उथल-पुथल: कई देशों में जनता ने तख्ता पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल दुनिया के कई देशों के लिए राजनीतिक उतार-चढ़ाव और महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। साल के अंत तक कई देशों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। कुछ देशों में जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी, जबकि अन्य जगहों पर गंभीर संकट और विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में बदलाव हुआ। इस साल वैश्विक राजनीति में कई बार तनावपूर्ण हालात बने, और कुछ देशों में चुनाव के बाद हिंसा भी भड़की। आइए जानते हैं कि 2025 में किन देशों में चुनाव हुए और उनके नतीजों के बाद क्या परिस्थितियां बनीं। तंजानिया में 20 अक्टूबर को आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें सामिया सुलुह हसन ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला। हालांकि, चुनाव के बाद हिंसा भड़की, जिसमें करीब 700 लोगों की मौत की खबरें आईं। कैमरून में 12 अक्टूबर को चुनाव हुआ, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति पॉल बिया फिर से सत्ता में लौटे।

कनाडा में 28 अप्रैल को संघीय चुनाव संपन्न हुआ। इसमें मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल की, और वह फिर से प्रधानमंत्री बने। यह स्थिति उस समय बनी जब जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कार्नी प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया में 3 मई को चुनाव हुआ, जिसमें लेबर पार्टी ने जीत हासिल की और एंथनी अल्बनीज फिर से प्रधानमंत्री बने। जर्मनी में 23 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए, जिसमें फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) ने 20.8 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की। बेलारूस में 26 जनवरी को हुए चुनाव में अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की। उन्हें 86.8 फीसदी वोट मिले, हालांकि चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।

मिस्र में चुनाव दो चरणों में हुए; पहला चरण 10-11 नवंबर और दूसरा 24-25 नवंबर को संपन्न हुआ, लेकिन अभी तक नतीजा घोषित नहीं हुआ है। फिलिपींस में 12 मई को मिडटर्म चुनाव संपन्न हुए, जबकि देश का आम चुनाव 2028 में होगा। अर्जेंटीना में इस साल मिडटर्म चुनाव हुए, जिसमें राष्ट्रपति जाविएर मिलेई की पार्टी ला लिबरटेड अवांजा (एलएलए) ने बड़ी जीत दर्ज की। जापान के निचले सदन में जुलाई में चुनाव हुआ, जिसमें सत्ताधारी पार्टी एलडीपी को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद शिगेरु इशीबा ने अपने पद से इस्तीफा दिया और एलडीपी से साने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना गया।

नेपाल में जेन जेड के हिंसक प्रदर्शन के बाद केपी ओली की सरकार गिर गई। इसके बाद सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार ने जिम्मेदारी संभाली। यहां अगले साल मार्च में आम चुनाव आयोजित होने की संभावना है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 में संपन्न हुआ था, लेकिन इस साल जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ कयास लगाए गए थे कि 2025 में आम चुनाव हो सकता है, लेकिन यहां आम चुनाव फरवरी 2026 में निर्धारित है। साल 2025 ने साबित किया कि दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन अभी भी चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों में होता है। चुनाव के नतीजे कभी शांतिपूर्ण

बदलाव लाते हैं, तो कभी हिंसा और प्रदर्शन को जन्म देते हैं। इस साल के घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति में निरंतर बदलते परिदृश्य और जनता की सक्रिय भूमिका को स्पष्ट रूप से उजागर किया।